श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

shramsadhnagwl@gmail.com

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज़ स्केन करें और चैनल से जुड़े

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 23 ग्वालियर, सोमवार 24 अगस्त 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

बलराम कृषि महोत्सव के तहत डबरा में कल होगा कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर जिले के किसानों से मुख्यमंत्री करेंगे वर्चुअल संवाद

ग्वालियर जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 अगस्त को ग्वालियर जिले के किसानों से संवाद और कृषि नवाचारों पर चर्चा करेंगे। ÷बलराम कृषि महोत्सव÷ के तहत 25 अगस्त को डबरा कृषि उपज मंडी परिसर में कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसी कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे जिले के किसानों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्चुअल संवाद करेंगे। इस आयोजन में जिले के जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषकगण शामिल होंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कृषि उपज मंडी डबरा पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही कार्यक्रम को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत एवं अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को ÷कृषक कल्याण वर्ष÷ के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के सभी जिलों में ÷बलराम कृषि महोत्सव÷ आयोजित किए जा रहे हैं। कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए

कलेक्टर रुचिका चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

कृषि एवं उद्यानिकी के साथ-साथ पशुपालन को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।

बलराम कृषि महोत्सव के तहत आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में किसानों की आय बढ़ाने, उनके जीवन स्तर को उन्नत करने तथा उनके समग्र कल्याण के उद्देश्य से सरकार द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं एवं कृषि की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जायेगा। साथ ही कृषि विशेषज्ञों के साथ किसानों का सीधा संवाद भी होगा। आयोजन के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीकों के साथ बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। साथ ही प्रगतिशील किसानों एवं उनके मेधावी बच्चों को इस अवसर पर सम्मानित किया जायेगा।

डबरा में ÷बलराम कृषि महोत्सव÷ के तहत आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में किसानों को डिजिटल कृषि सेवाओं, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों एवं आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रणालियों के संबंध में जानकारी दी जाएगी। कृषि विशेषज्ञ किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती की नई पद्धतियों, फसल उत्पादन में आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा कृषि जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन के उपायों से भी अवगत कराएंगे।

जिला प्रशासन द्वारा किसानों से ÷बलराम कृषि महोत्सव÷ के तहत डबरा में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने की अपील की गई है।

साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार और नशे के दुष्प्रभावों की दी जानकारी

स्कूलों में पहुंची ग्वालियर पुलिस, 'सृजन संवाद' से विद्यार्थियों को किया जागरूक

ग्वालियर जीएनएस

मध्यप्रदेश पुलिस के 'सृजन संवाद' कार्यक्रम के तहत ग्वालियर पुलिस ने थाना हजीरा एवं बिजौली क्षेत्र के स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार, कानून एवं संविधान, सड़क सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में किया गया। 'सृजन संवाद' का उद्देश्य पुलिस और विद्यार्थियों के

बीच बेहतर संवाद स्थापित कर बच्चों को कानून के प्रति जागरूक, जिम्मेदार एवं सुरक्षित नागरिक बनाना है।

थाना प्रभारी हजीरा निरीक्षक जितेंद्र सिंह तोमर ने हजीरा क्षेत्र स्थित सांदीपनि कन्या विद्यालय में 'सृजन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कक्षा 11वीं और 12वीं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। थाना प्रभारी ने छात्राओं को भारतीय संविधान, बाल अधिकार, अपराधों की सामान्य जानकारी, पॉक्सो अधिनियम, साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के संबंध में जानकारी दी।

गायत्री प्रज्ञा पीठ पर 26 को होगा सावन महोत्सव

महिला संगीत एवं झूला कार्यक्रम के साथ आज होगा 'एक शाम मां के नाम' आयोजन

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में सावन मास के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पूरे सावन मास में प्रतिदिन शिव अभिषेक एवं रुद्र यज्ञ का आयोजन हो रहा है। ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि 22 अगस्त को मासिक सुंदरकांड का आयोजन किया गया।

आज होगा 'एक शाम मां के नाम' कार्यक्रम : गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में 24 अगस्त को शाम 4 बजे 'एक शाम मां के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें भजनावली की प्रस्तुति के बाद सम्मान समारोह होगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

26 अगस्त को सावन महोत्सव : ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि 26 अगस्त को शाम 4 बजे सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव में महिला संगीत एवं झूला कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी और सावन के गीतों के साथ उत्सव मनाएंगी।

कार्यक्रम को लेकर गायत्री प्रज्ञा पीठ के पदाधिकारी एवं सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। मीडिया प्रभारी राजू पंडित ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल और टीम का जयमाला, शाल-श्रीफल से किया स्वागत

गहोई सेवा संस्थान की वर्षा ऋतु गोठ में चेंबर पदाधिकारियों का सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

गहोई वैश्य सेवा संस्थान ग्वालियर द्वारा वर्षा ऋतु गोठ का आयोजन मंगलवार 18 अगस्त 2026 को मुक्तानंद आश्रम में किया गया। इस अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल एवं उनकी पूरी टीम का संस्थान की ओर से सम्मान किया गया।

समाज की एकजुटता और सहयोग की सराहना : कार्यक्रम में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश बंसल, संदीप नारायण अग्रवाल, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता, जीवाजी क्लब अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, हर्ष सेठ सहित चेंबर से जुड़े गहोई वैश्य समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान के पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जयमाला पहनाकर, शाल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने अपने संबोधन में गहोई समाज के सदस्यों की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा करते हुए चुनाव में सहयोग और समर्थन

के लिए समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

संस्थापक सदस्यों का भी हुआ सम्मान : कार्यक्रम में गहोई सेवा संस्थान के संस्थापक सदस्य अशोक कस्तवार एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी सम्मान किया गया। स्वागत कार्यक्रम में अशोक कस्तवार, जगदीश दमेले एवं संस्थान के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश लोहिया, सुरेश दादा, द्वारिका कुचिया, दिनेश गेड़ा, संजय कटुल, डॉ. रजनीश नीखरा, मोनू गुप्ता, संस्थान अध्यक्ष महेश नीखरा, मंत्री गुलजारी लाल धूसर, उपाध्यक्ष पप्पू विलैया, कोषाध्यक्ष विवेक सुहाने, उपमंत्री अशोक टक्कल, राधेश्याम कुचिया सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार भी शामिल हुए।

दाल-बाटी और चूरमा का लिया आनंद : वर्षा ऋतु गोठ के दौरान संस्थान के कर्मठ सदस्य अन्नू कस्तवार की देखरेख में सभी समाजबंधुओं ने दाल-बाटी, चूरमा सहित विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। आयोजन में समाज की एकता, भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना दिखाई दी। कार्यक्रम में समाज के पत्रकार रूपेश खंतल ÷तीर÷ एवं बरुण कस्तवार मीडिया प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे।

धूमधाम से नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली संत रविदास समरसता संकल्प यात्रा

लहार। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प यात्रा नगर मे धूमधाम से निकली जिसका नगर मे जगह जगह भव्य स्वागत किया गया जानकारी के अनुसार संत रविदास समरसता संकल्प यात्रा कल नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बनखण्डेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची थी जहाँ पर आज बैदिक रीति रिवाज से पूज्य महाराज देवपुरी जी एवं विवेक उपाध्याय द्वारा कलश का पूजन करवा कर यात्रा का सुभारम्भ कराया गया यात्रा मे प्रदेश के संयोजक एवं जिले से संत रविदास यात्रा टोली के प्रभारी संजीव नायक,जिले के मंत्री चंद्रशेखर उपाध्याय,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ विनोद तिवारी,मंडल अध्यक्ष भाजपा सुभास अग्निहोत्री,यात्रा के संयोजक कैप्टन राम बहादूर सिंह,मंडल मंत्री संजीव चौधरी,बरिष्ठ भाजपा नेता नरेश बघेल एडवोकेट,बरिष्ठ पार्षद केदार सिंह राजावत,बरिष्ठ भाजपा नेता अशोक राठौर,बरिष्ठ पार्षद सतीश महाते,रणवीर राठौर,नीलम शर्मा,अश्वनी चौधरी उर्फ़ मुंशी पूर्व सरपंच भटपुरा,मनोज दूरवार,श्रीनिवास उपाध्याय चूली,अनिल बिरथरिया,हृदेश नायक दबोह,सतीश पाराशर,दुर्गेश शाक्य,राजीव पुरोहित,रामस्नेही गुप्ता,रोहित त्रिपाठी,छोटू शुक्ला,अनू त्रिपाठी,कमल किशोर शर्मा,हरिओम दीक्षित,कृपाल बघेल,मुनेश बघेल,नरेंद्र कुशवाह,बिशाल चौरसिया आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे यात्रा नगर के महाराणा प्रताप से संत रविदास बिद्यालय पहुंची जहाँ कलश पूजन एवं माल्यार्पण कर यात्रा माँ मंगलादेवी होते हुए बिधायक निवास पर पहुंची जहाँ उनके प्रतिनिधि के रूप मे अंगद शुक्ला ने यात्रा का स्वागत किया उसके बाद यात्रा नगर के तालेश्वर सरकार पर पहुंची जहाँ बिधि बिधान से कलश का पूजन किया गया एवं सभी के द्वारा सामूहिक रूप से रामधुन बोलकर एवं यात्रा के बारे मे बताकर समापन किया गया यात्रा का नगर मे गिरिजा परिहार,डॉ विनोद तिवारी,सतीश महाते,चंकी गिलहरी,सुशील दूरवार,छोटू शुक्ला एवं अनू त्रिपाठी द्वारा पूजन एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया यात्रा का संचालन मंडल मंत्री संजीव चौधरी ने किया इस मौके पर यात्रा के जिला प्रभारी एवं प्रदेश संयोजक संजीव नायक ने बताया कि संत रविदास यात्रा का मुख्य उद्देश्य जीवन समरसता, समानता, भक्ति, श्रम और सामाजिक न्याय का अमर संदेश है उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं,जितने सदियों पहले थे संत रविदास ने समाज को ऊंच-नीच, भेदभाव और छुआछूत से ऊपर उठकर मानवता, समान अधिकार और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया यही मार्ग विकसित, समरस और सशक्त भारत की आधारशिला है जब-जब समाज में अन्याय बढ़ा, तब-तब संतों और महापुरुषों ने नई दिशा दी इस मौक़े पर यात्रा के संयोजक कैप्टन राम बहादुर सिंह जी ने कहा कि भारत संतों, ऋषियों और महापुरुषों की पावन भूमि है। जब-जब समाज में अन्याय, अत्याचार, ऊंच-नीच, छुआछूत और भेदभाव जैसी विकृतियां बढ़ीं,तब-तब संतों और महापुरुषों ने समाज को नई दिशा प्रदान की संत रविदास ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और भक्ति का ऐसा संदेश दिया, जिसने समाज को नई चेतना प्रदान की उन्होंने कहा कि संत रविदास ने तत्कालीन शासक सिकंदर लोदी के धर्मांतरण के दबाव का भी साहसपूर्वक विरोध किया और यह संदेश दिया कि सभी मनुष्य समान हैं तथा ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल सच्ची भक्ति और सदाचार है उनका प्रसिद्ध संदेश ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ आज भी समाज को आंतरिक शुद्धता और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाता है इस मौक़े पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ विनोद तिवारी ने कहा कि उनकी अटूट भक्ति और तपस्या के प्रभाव से कठौती में गंगा प्रकट होने की घटना केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि यह संदेश है कि सच्ची श्रद्धा और निर्मल मन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है इस मौक़े पर जिले के मंत्री चंद्रशेखर उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का ÷विकास भी, विरासत भी÷ का संदेश देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर के संरक्षण का मार्गदर्शक मंत्र है उन्होंने कहा कि संत रविदास की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी और जल का कलश देशभर के मठों,मंदिरों और आस्था केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। यह समाज के प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार को जोड़ने वाला राष्ट्रीय समरसता अभियान है अंत मे मंडल अध्यक्ष भाजपा सुभास अग्निहोत्री ने सभी का आभार प्रकट किया और कहा कि कलश वंदन अभियान सामाजिक समरसता का जनआंदोलन बनेगा संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में यह यात्रा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने छोटे-बड़े के भेद को समाप्त कर समानता और सामाजिक एकता का संदेश दिया उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संत रविदास के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कलश वंदन अभियान गांव-गांव तक जाकर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करेगा यात्रा लहार मंडल से समापन के बाद असवार मंडल मे पहुंची जहाँ मंडल अध्यक्ष असवार दलवीर सिंह बघेल ने यात्रा का स्वागत किया।

नगरपालिका परिषद की बैठक सम्पन्न

श्योपुर, जीएनएस। नगरपालिका परिषद श्योपुर श्रीमति रेनू-सुजीत गर्ग की अध्यक्षता में आज दिनांक 21 अगस्त 2026 को परिषद का सम्मेलन नगरपालिका सभागार में आहूत किया गया। जिसमें नगर विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रकरण की पार्षदो द्वारा सर्व सम्मति से पारित किये गये है।

जिसमें जय स्तम्भ के पास पुराने वाचनालय में मार्केट निर्माण एवं अग्रसेन मार्केट का नामकरण एवं अग्रेसन जी मूर्ति निर्माण कार्य, पाली रोड एफ.सी.आई. गौदाम के सामने परषुराम चौराह (परषुराम शस्त्र) एवं परशुराम स्तम्भ बनाये, यात्रियों की सुविधा हेतु प्रतिक्षालय निर्माण कार्य, नगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पर महिला (पिंक) शौचालय निर्माण कार्य, स्टेडियम के बाहर बाई और रिक्त भूमि पर दुकान निर्माण, गफ्फार की बाड़ी से फक्कड़ चौराह जोडने हेतु नाले पर पुलिया निर्माण कार्य, रेलवे क्रासिंग से हाउसिंग बोर्ड तक नाला निर्माण कार्य, नवीन चौपाटी से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य निर्माण कार्य के साथ ही पटेल चौक से पुल दरवाजा होते हुये टोडी बाजार मेन चौराहा से मेन बाजार होते हुये जय स्तम्भ तक डामरीकरण कार्य, एवं आर.टी.ओ. ऑफिस से नवीन नगरपालिका कार्यालय तक दुकान निर्माण कार्य एवं पार्क व पार्किंग के लिए बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही मछली मार्केट निर्माण कार्य एवं जतीघाट एवं कर्बलाघाट पर सोन्दर्यीकरण कार्य की प्राप्त न्यूनतम दर स्वीकृति एवं नगरपालिका श्योपुर के स्वामित्व का एस.डी.ओ.पी बगले के पास भू-खण्ड विक्रय, नगरपालिका परिषद श्योपुर के स्वामित्व की नवीन बस स्टेण्ड पर द्वितीय गेट पर कॉर्नर की 04 दुकानो की छत विक्रय, नवीन एकीकृत बस स्टेण्ड परिसर में दीनदयाल पार्क के पास स्थित नवनिर्मित 18 दुकानो में से दुकान नं. 01 एवं दुकान नं. 07, विक्रय एवं बस स्टेण्ड अस्थाई दखल शुल्क की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। शिवपुरी रोड पर नगरपालिका स्वामित्व के मैरिज गार्डन का नाम श्री हजारेष्वर महादेव मैरिज गार्डन रखने, नवीन बस स्टेण्ड सुलभ शौचालय पेड़ के पास नवनिर्मित 02 दुकानो की नीलामी, नवीन बस स्टेण्ड सुलभ शौचालय पेड़ के पास नवनिर्मित 03 दुकानो की नीलामी, नवीन बस स्टेण्ड पानी की टंकी के पास नवनिर्मित 08 दुकानो की नीलामी, षिवपुरी रोड पर नगरपालिका स्वामित्व ऑडोटोरियम का नामकरण, निकाय स्वामित्व के भवन ऑडोटोरियम/राजीव गांधी सभागार/हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सभागार का किराये वृद्धि एवं हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के सभागार का नामकरण, सम्पत्तिकर, समेकितकर, जलकर व विविध कर की दरो में वृद्धि, नगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पर पार्किंग बनाने, नगरीय क्षेत्र में कुत्तो की नसबंदी और टीकाकरण लिए ठब् केन्द्र संचालन के निर्माण की मंजूरी के साथ काफी समय से पेडिंग चल रहे नागरिको की महत्वपूर्ण नामांतरण प्रकरणो की स्वीकृति प्रदान की गई है।

300 अधिग्रहित बसों के भुगतान में अनियमितता के संबंध में वस्तुस्थिति

शिवपुरी, जीएनएस। कतिपय समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार 300 अधिग्रहित बसों के भुगतान के संबंध में अनियमितता÷ शीर्षक समाचार के संबंध में जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समाचार असत्य एवं भ्रामक तथ्यों के आधार पर प्रकाशित किया गया है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि 5 जुलाई 2026 को आयोजित सम्मेलन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के साथ विभिन्न बैठकों के संबंध में वाहन उपलब्धता एवं वाहन स्वामियों की बैठक में चर्चा की गई थी। उपलब्धकर्ता वाहन बस एजेंसी संचालकों के सहयोग से वाहन उपलब्ध कराने के संबंध में सहमति बनी थी। उपलब्धकर्ताओं द्वारा आवश्यकतानुसार वाहन उपलब्ध कराए गए तथा शासन से जारी निर्देशों का पालन करते हुए संबंधित एजेंसी द्वारा किराये का भुगतान किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि समस्त भुगतान कार्यवाही वाहन उपलब्ध करवाने आदि की नियमानुसार प्रावधानों के अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा की गई है। कार्यक्रम हेतु किसी प्रकार का कोई शासकीय बजट आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है। अतः किसी प्रकार की अनियमितता का प्रकरण नहीं है और जिला प्रशासन इस संबंध में प्रकाशित समाचार का पूर्ण रूप से खंडन करता है।

बनखंडेश्वर महादेव मंदिर रजौधा में गूंजा भगवान शिव का जयघोष

पोरसा/रजौधा। ग्रामीणों के सहयोग से बनखंडेश्वर महादेव मंदिर रजौधा में आयोजित शिव महापुराण कथा में श्रद्धालुओं को भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा, उनके धार्मिक महत्व और स्थानों की विस्तृत जानकारी सुनने को मिली। कथा के दौरान पंडित राम गोविंद शास्त्री जी ने भगवान शिव की आराधना, ज्योतिर्लिंगों की स्थापना से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं तथा उनके दर्शन-पूजन के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया।

कथा में शास्त्री जी ने कहा कि सनातन परंपरा में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों को अत्यंत पवित्र शिवधाम माना गया है। श्रद्धालुओं के लिए इन ज्योतिर्लिंगों का स्मरण, दर्शन और पूजा विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। उन्होंने एक-एक ज्योतिर्लिंग का नाम, उसका स्थान तथा उससे जुड़ी पौराणिक मान्यताओं को सरल भाषा में भक्तों के सामने रखा।

देशभर में स्थापित हैं भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग

कथा के दौरान पंडित राम गोविंद शास्त्री ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों की जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार ये प्रमुख शिवधाम भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं।

1. सोमनाथ ज्योतिर्लिंग – प्रभास पाटण, गुजरात

सोमनाथ को प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां भगवान शिव की आराधना करने से भक्तों को आध्यात्मिक शांति और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। सोमनाथ मंदिर का संबंध चंद्रदेव से जुड़ी पौराणिक कथा से भी बताया जाता है।

2. मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग – श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश

श्रीशैल पर्वत पर स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप से जुड़ा पवित्र धाम माना जाता है। यहां भगवान शिव की आराधना को पारिवारिक सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

3. महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग – उज्जैन, मध्य प्रदेश

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के प्रमुख धामों में शामिल है। धार्मिक मान्यता में भगवान महाकाल को काल के भी अधिपति के रूप में पूजित किया जाता है। महाकाल की भस्म आरती देश-विदेश में प्रसिद्ध है।

4. ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग – खंडवा, मध्य प्रदेश

नर्मदा नदी के पवित्र क्षेत्र में स्थित ओंकारेश्वर भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव की उपासना से मन को शांति और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।

5. केदारनाथ ज्योतिर्लिंग – रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड

हिमालय की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित केदारनाथ धाम भगवान शिव की अत्यंत पवित्र स्थली मानी जाती है। धार्मिक परंपरा में केदारनाथ के दर्शन को अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। यह धाम चारधाम यात्रा का भी प्रमुख केंद्र है।

6. भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग – पुणे क्षेत्र, महाराष्ट्र

भीमाशंकर को भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल किया जाता है। इससे जुड़ी पौराणिक कथा में भगवान शिव द्वारा दैत्य भीम के संहार का वर्णन मिलता है। श्रद्धालु यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं।

7. काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग – वाराणसी, उत्तर प्रदेश

वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। काशी को शिव की नगरी माना जाता है और धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां भगवान विश्वनाथ के दर्शन एवं पूजा का विशेष महत्व है।

8. त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग – नासिक, महाराष्ट्र

नासिक के निकट ब्रह्मगिरि पर्वत क्षेत्र में स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का पवित्र धाम है। धार्मिक परंपरा में इसका संबंध गोदावरी नदी के उद्गम क्षेत्र से भी जोड़ा जाता है। यहां भगवान शिव की आराधना को विशेष फलदायी माना जाता है।

9. वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग – देवघर, झारखंड

देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम भगवान शिव के प्रमुख तीर्थों में से एक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार रावण की तपस्या से जुड़ी कथा इस ज्योतिर्लिंग से संबंधित है। सावन के महीने में यहां देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

10. नागेश्वर ज्योतिर्लिंग – द्वारका क्षेत्र, गुजरात

गुजरात के द्वारका क्षेत्र में स्थित नागेश्वर धाम भगवान शिव की उपासना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता में भगवान शिव को भक्तों की रक्षा करने वाले देवता के रूप में स्मरण किया जाता है।

11. रामेश्वर ज्योतिर्लिंग – रामेश्वरम, तमिलनाडु

रामेश्वरम स्थित रामनाथस्वामी मंदिर को भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान प्राप्त है। धार्मिक परंपरा में इसका संबंध भगवान श्रीराम से जोड़ा जाता है। श्रद्धालु यहां भगवान शिव का पूजन कर धर्म, आस्था और आध्यात्मिक शांति की कामना करते हैं।

12. घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग – वेरुल (एलोरा), महाराष्ट्र

एलोरा के निकट स्थित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का पवित्र धाम है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां श्रद्धा और भक्ति से भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को मनोवांछित फल एवं आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं जिला अस्पताल के स्पीड ब्रेकर

फिरोजाबाद, जीएनएस।
जिला अस्पताल में दिन प्रतिदिन अनमितताऐ देखने को मिल रही है क्योंकि मेडिकल प्रशासन की नजर मरीज के उपचार पर नहीं बल्कि निर्माण पर केंद्रित है इसीक्रम में आज पूरे अस्पताल में स्पीड ब्रेकर बनवाये गये है

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित जिला अस्पताल के पूरे परिसर में स्पीड ब्रेकर बनवाए गए हैं उद्देश्य कुछ भी हो परंतु स्पीड ब्रेकर जानलेवा बनते जा रहे हैं

यदि कोई एक्सीडेंटल में घायल मरीज को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल के सरकारी ट्रामा सेंटर में लाया जाता है तो एंबुलेंस उसे मरीज की स्पीड ब्रेकर के कारण लगने वाली दोची (झटके) में क्या हालत होगी यह तो ऊपर वाला ही जाने वही कोई हार्ड अटैक के मरीज को उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लाया जाता है तो वह भगवान के भरोसे ही यहां तक आ पाएगा क्योंकि उसकी जान स्पीड ब्रेकर की दोचियो (झटको) मैं ही निकल जाएगी और यदि प्रसव पीड़ित महिला को सैया अस्पताल में लाया जाएगा उधर भी स्पीड ब्रेकर लगने के कारण कहीं प्रसव रास्ते में ना हो जाए यह भी एक सोचने का बिषय है एक्सीडेंटल मरीज को सबसे पहले ट्रामा सेंटर लाया जाता है जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के वार्ड में रेफर कर दिया जाता है इसके बाद दूसरे या तीसरे दिन सीटी स्कैन कराने के लिए पुनः सरकारी ट्रामा सेंटर लाया जाता है।

जिला अस्पताल से सरकारी ट्रामा सेंटर लाने वाले रास्ते में पांच जगह स्पीड ब्रेकर बने हुए हैं ऐसे ही सो सैया मैं जाने के लिए प्रसब से पीड़ित महिला को भी चार स्पीड ब्रेकर पार करके महिला अस्पताल पहुंचेगी इन परिस्थितियों में मरीज का उपचार होगा या उनकी तकलीफों को बढ़ाया जाएगा यह भी सोचने का विषय है परंतु जिला अस्पतालके सीएमएस डॉक्टर नवीन जैन और मेडिकल कॉलेजके प्राचार्य डॉ योगेश आदि।

रैन बसेरा में मेयर का कैंप कार्यालय बनाने का आरोप, शिवसेना ने जांच की मांग की

फिरोजाबाद, जीएनएस।
शिवसेना के जिला प्रमुख पंडित राजीव कुमार शर्मा ने नगर निगम के रैन बसेरा को लेकर मेयर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में 14वें वित्त आयोग से स्वीकृत करोड़ों रुपये की लागत से बने रैन बसेरा में मेयर का शिविर कार्यालय संचालित हो रहा है। आरोप है कि यहां एसी, सोफा, गीजर समेत अन्य सुविधाएं मेयर के कार्यालय के उपयोग में हैं।

राजीव शर्मा ने कहा कि रैन बसेरा असहाय और जरूरतमंद लोगों के ठहरने और विश्राम के लिए बनाया गया है। इसके बावजूद इसका निर्धारित उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रैन बसेरा का बोर्ड तक नहीं लगाया गया है, जबकि मेयर के शिविर कार्यालय का बोर्ड लगा है।

मानवाधिकार आयोग में मामला लंबित शिवसेना जिला प्रमुख के मुताबिक इस संबंध में राज्य मानवाधिकार आयोग में मामला 14693/24/28/2025 पंजीकृत है। आयोग ने जिलाधिकारी फिरोजाबाद से रिपोर्ट मांगी थी। आरोप है कि तत्कालीन जिलाधिकारी रमेश रंजन ने मौके पर जांच करने के साथ शिकायतकर्ता के बयान और साक्ष्य दर्ज नहीं किए। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी कार्यालय से उन्हें जानकारी दी गई कि नगर आयुक्त से रिपोर्ट मांगी गई है और नगर आयुक्त की रिपोर्ट आयोग को भेजी जाएगी। राजीव शर्मा का आरोप है कि मामले में शिकायतकर्ता का पक्ष लिए बिना जांच पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है।

हरियाली तीज पर सजा काशी का मंच, सर्व कल्याण ब्राह्मण महिला संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

वाराणसी, जीएनएस।
सर्व कल्याण ब्राह्मण महिला संगठन काशी द्वारा संगठन के स्थापना दिवस एवं हरियाली तीज के पावन अवसर पर महमूरगंज स्थित एक होटल में भव्य एवं रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हरियाली तीज की परंपराओं,भारतीय संस्कृति और नारी शक्ति की जीवंत झलक प्रस्तुत की 7 पूरे आयोजन के दौरान गीत,कजरी,नृत्य, मनोरंजक खेल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लास और उमंग से भर दिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रुचि मिश्रा सहायक आचार्य धीरेंद्र महिला महाविद्यालय वाराणसी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया 7 उन्होंने सभी को हरियाली तीज एवं संगठन के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ आपसी प्रेम,सौहार्द एवं सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं 7 समारोह की अध्यक्षता संगठन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ.सरिता त्रिपाठी ने की 7 उन्होंने संगठन की स्थापना के उद्देश्यों एवं अब तक की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन निरंतर महिला सशक्तिकरण,सामाजिक सेवा,सांस्कृतिक संरक्षण तथा समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए कार्य कर रहा है।

दिल्ली में छात्रों द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के खिलाफ ऐसी बर्बरता कोई कानूनी कार्यवाही नहीं,गंभीर अपराधः अशोक दांगी

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा के नेतृत्व में शुक्रवार को झांसी चुंगी पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे बाजी कर प्रदर्शन किया और छात्रों का एवं राहुल गांधी के धरने का समर्थन किया बही कांग्रेस नेताओं ने कहा आज दिल्ली जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा पैलेट गन से हमला किए जाने के कारण श्री साहिल लोचब गंभीर रूप से घायल हुए,जिससे उनकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा ने कहा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के खिलाफ ऐसी बर्बरता कोई कानूनी कार्यवाही नहीं,गंभीर अपराध है।इस कृत्य के लिए शासन-प्रशासन स्तर पर किसी के द्वारा भी किसी तरह की न तो माफी मांगी गई न ही खेद

जताया गया।अब जब साहिल न्याय के लिए न्याय के लिए स्नढ्ढक्र दर्ज कराना चाहता है तो हमारे जन नेता आदरणीय श्री राहुल गांधी श्री साहिल लोचब के साथ संसद मार्ग के डी.सी.पी.कार्यालय पहुंचे,जहां शिकायत दर्ज नहीं की जा रही।उन्होंने कहा यह संविधान और संवैधानिक अधिकारों की हत्या है,दमन की नीति है,जिसके विरुद्ध हमारे नेता माननीय श्री राहुल गांधी थाने में धरने पर बैठे हैं।छात्रों को न्याय दिलाने की इस संवैधानिक लड़ाई में हमारे नेता के साथ पूरी ताकत से खड़े होना हम सभी का दायित्व है। प्रदर्शन के दौरान इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा,जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेंद्र गुर्जर,शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय शुक्ला,रचना शेर सिंह,बी के जाटव,जामित्री दादौरिया,जसवंत बघेल,रामदास उत्साही पुष्पराज राजपूत,डॉ राकेश खरे,रामकुमार मोंगिया,विक्रम दांगी दतिया,स्वदेश अहिरवार,संजू दांगी सिधवारी,आशीष तिवारी,कमल,देव गौतम,सूर्य बहादुर अहिरवार आदि।

123 प्लंबर ही कर सकेंगे पानी एवं सीवर लाइनों के कनेक्शन

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर के 123 प्लंबर साथियों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराये गये थे जिन्हें आज निगम द्वारा प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र दिया गया, आज के बाद शहर में नवीन नल एवं सीवर कनेक्शन निगम में पंजीकृत यह 123 प्लंबर ही कार्य कर सकेंगे। यदि कोई अन्य प्लंबर करता है तो उस पर नगर निगम के द्वारा कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने रजिस्टर्ड सभी प्लंबरों को आज प्रशिक्षण के दौरान प्रमाण एवं पहचान पत्र दिए गए।अनट्रेंड प्लंबरों के द्वारा पानी एवं सीवर लाइनों में नए कनेक्शन किए जाने के दौरान कई बार सीवर एवं पानी की लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती थीं, जिसके कारण आम जनों को भारी परेशानी का सामना करना पडता था। इस परेशानी को खत्म करने के लिए नगर निगम ने शहर में कार्य करने वाले प्लंबरों को ट्रेंड करने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। नगर निगम के बाल भवन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम अपर आयुक्त श्री मनीष सिंह सिकरवार, एमआईटीएस कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री आदित्य अग्रवाल, कार्यपालन यंत्री श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, श्री शिशिर श्रीवास्तव, सहायक यंत्री श्रीमती ज्योति दोहरे ने प्लंबरों को टेऊनिंग दी। साथ ही पंजीकृत प्लंबरों को जल एवं सीवर लाइन से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य लाइन से सर्विस लाइन में कनेक्शन करने की प्रक्रिया, जल एवं सीवर कनेक्शन, पाइप लीकेज को बंद करने की विधि तथा पंप के संचालन के सही समय एवं तरीके के बारे में विस्तार से बताया गया। प्लंबरों को कार्य के दौरान सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें बताया कि स्वयं की सुरक्षा के लिए कार्य करते समय क्या आवश्यक सावधानियां बरतनी साथ ही स्थाई एवं अस्थाई कनेक्शन, पाइप एवं अन्य सामग्री की न्यूनतम गुणवत्ता, ढलान एवं एलाइनमेंट सहित जल एवं सीवर लाइन से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

संसद मार्ग थाने में राहुल गांधी का धरना, चुनावी पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस ने उठाई आवाज

लोकतंत्र में जनता के अधिकारों और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद मार्ग थाने पहुंचकर धरना दिया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के कई सांसद, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस ने मतदाता सूची और चुनाव व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की।

राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि चुनाव ही देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है और किसी भी तरह की शंका को दूर करने के लिए पूरी प्रक्रिया स्पष्ट होनी चाहिए।

धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कई सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को यह भरोसा होना चाहिए कि उनका वोट पूरी तरह सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से संचालित हो रही है।

प्रदर्शन को देखते हुए संसद मार्ग क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जवानों की तैनाती की। प्रदर्शन स्थल पर आने-जाने वाले लोगों और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी लगातार निगरानी करते रहे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करना नहीं बल्कि जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना भी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना और सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। पार्टी ने आरोप लगाया कि यदि चुनाव प्रक्रिया में किसी तरह की आशंका पैदा होती है तो उसका समाधान पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती और स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

धरने के दौरान कांग्रेस सांसदों और कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब हर नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसकी आवाज सुनी जा रही है और उसके मत का सम्मान किया जा रहा है। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया। पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनाव व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता को लेकर सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। वहीं प्रशासन की ओर से प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरती।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

आज पर्यावरण को बचाने और उसके सौंदर्य को समझने के लिए रामायण का अध्ययन जरूरी

संजय गोस्वामी

पर्यावरण आज पूरी मानवता के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। विकास की तेज दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति से अपने संबंधों को लगातार कमजोर किया है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, जल स्रोतों का लगातार कम होना, बढ़ता वायु प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं हमारे सामने हैं। इन परिस्थितियों में केवल आधुनिक तकनीक और कानूनों के सहारे पर्यावरण को सुरक्षित रखना संभव नहीं है। इसके लिए समाज की सोच और जीवनशैली में भी बदलाव आवश्यक है। भारतीय संस्कृति और हमारे प्राचीन ग्रंथ इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दे सकते हैं। इसी दृष्टि से रामायण का अध्ययन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

रामायण को सामान्यतः धार्मिक और आध्यात्मिक ग्रंथ के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके व्यापक संदेश में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति मनुष्य के कर्तव्यों की झलक भी मिलती है। भगवान श्रीराम का जीवन प्रकृति के साथ गहरे संबंध का उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनके वनवास का बड़ा हिस्सा जंगलों, नदियों, पर्वतों और प्राकृतिक परिवेश के बीच बीता। इस दौरान प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं थी, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। वन, वृक्ष, नदियां, पर्वत और जीव-जंतु उस जीवन व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग थे।

रामायण में वर्णित वन प्रदेश हमें उस समय की प्राकृतिक समृद्धि का परिचय कराते हैं। घने जंगल, स्वच्छ जलधाराएं, विविध प्रकार के वृक्ष और वन्य जीव जीवन का हिस्सा थे। ऋषि-मुनियों के आश्रम भी प्राकृतिक वातावरण में स्थित होते थे। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय जीवन पद्धति में प्रकृति से दूरी बनाने के बजाय उसके साथ सामंजस्य स्थापित करने की परंपरा रही है। मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं, बल्कि उसका एक हिस्सा है—यह विचार आज पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

भगवान श्रीराम के वनवास का प्रसंग हमें प्रकृति के साथ रहने की कला सिखाता है। राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण जीवन से निकलकर उन्होंने वन का जीवन स्वीकार किया। वन में रहते हुए उन्हें प्राकृतिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रकृति को जीतने या उसके संसाधनों का असीमित दोहन करने की भावना उनके जीवन में दिखाई नहीं देती। इसके विपरीत उनका जीवन प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देता है।

आज मनुष्य ने अपनी सुविधा के लिए प्रकृति के संसाधनों का जिस गति से उपयोग किया है, उसका परिणाम पर्यावरणीय असंतुलन के रूप में सामने आ रहा है। शहरों का विस्तार हो रहा है, जंगल घट रहे हैं और प्राकृतिक जल स्रोतों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। नदियों में गंदगी और औद्योगिक कचरा पहुंच रहा है। हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। तापमान में बदलाव और मौसम के असामान्य व्यवहार ने भी चिंता बढ़ाई है। ऐसे समय में हमें यह समझने की आवश्यकता है कि प्रकृति केवल संसाधनों का भंडार नहीं है।

भारतीय परंपरा में पेड़-पौधों को भी विशेष सम्मान दिया गया है। अनेक वृक्षों को धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन से जोड़ा गया। इसका एक कारण यह भी रहा कि वृक्ष जीवन के लिए आवश्यक वायु, छाया, फल और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करते हैं। इसी प्रकार नदियों को मां का दर्जा देकर उनके प्रति श्रद्धा का भाव विकसित किया गया। इससे समाज में जल और वन संरक्षण की भावना मजबूत होती थी।

रामायण में नदियों और प्राकृतिक स्थलों का बार-बार उल्लेख मिलता है। इससे यह समझा जा सकता है कि प्राचीन भारतीय जीवन में जल स्रोतों का कितना महत्व था। आज जब देश के अनेक हिस्सों में जल संकट गंभीर होता जा रहा है, तब जल को केवल उपयोग की वस्तु मानने के बजाय जीवन का आधार समझना जरूरी है। जल की एक-एक बूंद बचाने और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है।

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ केवल अधिक से अधिक पेड़ लगाना नहीं है। इसका अर्थ प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना भी है। यदि एक ओर हम पौधे लगाते हैं और दूसरी ओर अनावश्यक रूप से पेड़ों की कटाई करते हैं, जल स्रोतों को प्रदूषित करते हैं और प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग करते हैं, तो पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसके लिए जीवनशैली में संयम और संतुलन आवश्यक है।

रामायण का अध्ययन हमें इसी संतुलन की ओर ले जा सकता है। इसमें त्याग, संयम, कर्तव्य और सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों पर जोर मिलता है। आज की उपभोक्तावादी जीवनशैली में इन मूल्यों की जरूरत और बढ़ गई है। आवश्यकता से अधिक उपभोग प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाता है। यदि मनुष्य अपनी जरूरत और लालच के बीच अंतर समझ सके तो पर्यावरण पर पड़ने वाला दबाव काफी कम किया जा सकता है।

नई पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने में भी रामायण और भारतीय संस्कृति के अन्य ग्रंथ उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को केवल पर्यावरण संरक्षण के नियम बताने के बजाय प्रकृति के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करना सिखाया जाना चाहिए। यदि बच्चे नदी को केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि जीवनदायिनी समझेंगे और पेड़ को केवल लकड़ी देने वाला साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानेंगे, तो उनके भीतर संरक्षण की भावना स्वतः विकसित होगी।

आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने प्राचीन ज्ञान को आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों से जोड़कर देखें। आधुनिक विज्ञान हमें प्रदूषण कम करने, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की तकनीक दे सकता है, जबकि हमारी सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति संवेदनशील सोच विकसित कर सकती हैं। दोनों का संतुलित उपयोग ही पर्यावरण संरक्षण का मजबूत आधार बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों, नगर निकायों या पर्यावरण संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की इसमें भूमिका है। घर में पानी की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का उचित निपटान, अधिक से अधिक पौधे लगाना, पेड़ों की रक्षा करना और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना जैसे छोटे कदम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यदि समाज के करोड़ों लोग अपनी जिम्मेदारी समझें तो पर्यावरण की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार संभव है।

रामायण का संदेश आज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को अपने कर्तव्यों का बोध कराती है। प्रकृति पर अधिकार जताने के बजाय उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना भारतीय जीवन दृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। वनवास के प्रसंगों से लेकर नदियों और प्राकृतिक स्थलों के वर्णन तक प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव दिखाई देता है।

आज जब पर्यावरण संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है, तब रामायण को केवल धार्मिक ग्रंथ के रूप में पढ़ने के बजाय उसके सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय संदेशों को भी समझने की आवश्यकता है। इससे हमें यह सीख मिल सकती है कि मनुष्य का वास्तविक विकास प्रकृति को नष्ट करके नहीं, बल्कि उसके साथ संतुलन बनाकर ही संभव है।

प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हवा, पानी, जंगल, मिट्टी और जीव-जंतु सभी एक-दूसरे से जुड़े हैं। इनमें से किसी एक का संतुलन बिगड़ने पर उसका असर पूरे पर्यावरण पर पड़ता है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सुंदर धरती छोड़ना हमारा नैतिक दायित्व है। रामायण का अध्ययन हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, संयम और जिम्मेदारी का भाव विकसित करने में मदद कर सकता है। आज पर्यावरण को बचाने और उसके सौंदर्य को समझने के लिए इसी दृष्टि से रामायण के संदेशों को पढ़ना और जीवन में उतारना जरूरी है।

आने वाले कल के खेल-सितारों को तैयार करने का यही समय है

मौजूदा हालात को देखते हुए तो यह बेहद कठिन लगता है कि भारत 2034 के फीफा विश्वकप के लिए क्वालिफाई कर पाएगा। लेकिन 2034 को एक डेडलाइन के तौर पर जरूर लिया जा सकता है। तब तक भारत ऐसा फुटबॉल सिस्टम विकसित करे, जो विश्वकप के लिए क्वालिफाई करने के लिए चुनौती पेश कर सके।

भारत अभी एशियाई देशों में से क्वालिफाई करने योग्य स्तर से काफी दूर है। हमारी टीम में निरंतरता का अभाव है और हमारा डेवलपमेंट सिस्टम ऐसे पर्याप्त फुटबॉलर तैयार नहीं कर पाता है, जो शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

हमारा मकसद यही होना चाहिए कि अगले 8 वर्षों में भारत एशिया का उन्नत फुटबॉल सिस्टम बने। यदि हमने यह कर लिया तो क्वालिफाई करना संभव है। इसके लिए पहली जरूरत है-संस्थागत स्थिरता। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और भारतीय खेल प्रशासन फ्रेमवर्क के तहत ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के प्रशासनिक ढांचे से जुड़ी प्रक्रिया समाधान की दिशा में आगे बढ़ी है। प्राथमिकता सुधारों को लागू करने की है।

हमें इंडियन सुपर लीग के उभरते व्यावसायिक ढांचे को स्थिर, प्रतिस्पर्धी और आर्थिक तौर पर जिम्मेदार ऐसी पेशेवर व्यवस्था में बदलना होगा, जिसमें फेडरेशन की स्पष्ट भूमिका हो। इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि क्या वह खेलों का भरोसेमंद कैलेंडर, मजबूत क्लब, खिलाड़ियों के लिए अनुबंध संबंधी निश्चितता और नेशनल लीग के लिए आपस में जुड़ा ढांचा उपलब्ध करा पाता है। कॉर्पोरेट और सरकारी सहायता भी तभी बढ़ेगी, जब पूरा इको-सिस्टम पेशेवर ढंग से संचालित हो।

दूसरी जरूरत यह है कि इस पूरी व्यवस्था को भारतीय खिलाड़ी तैयार करने के इर्द-गिर्द संगठित किया जाए। विश्व कप का क्वालिफिकेशन महज इससे हासिल नहीं होता कि हर कुछ वर्षों में राष्ट्रीय टीम का कोच बदल दिया जाए या बड़े मुकाबलों से पहले छोटे-मोटे प्रशिक्षण शिविर लगा दिए जाएं। जो फुटबॉलर भारत को 2034 के विश्व कप की चुनौती तक ले जा सकते हैं, उनमें से अधिकतर आज 12 से 20 वर्ष की उम्र के बीच हैं।

उनके विकास का समय यही है। शुरुआत जिलास्तरीय स्काउटिंग से हो। फिर ये खिलाड़ी मान्यता प्राप्त अकादमियों और प्रतिस्पर्धी यूथ लीगों से होते हुए पेशेवर क्लबों और राष्ट्रीय टीमों तक पहुंचें। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को बेहतर कोचिंग, पर्याप्त मैच खेलने के अवसर और मजबूत एशियाई तथा अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ नियमित खेलने का अनुभव मिलना चाहिए। प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में ही होनी चाहिए और उनकी भौगोलिक या आर्थिक पृष्ठभूमि को देखे बिना उन्हें तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

कोचों में भी हमें गंभीरता से निवेश करना होगा। कोच-एजुकेशन को नेशनल कैपेसिटी-बिल्डिंग की तरह लें। नेशनल प्लेयर डेटाबेस, वीडियो एनालिसिस, पारदर्शी स्काउटिंग और सभी प्रतियोगिताओं के लिए समान मानदंड तय करने में तकनीक की मदद ली जा सकती है। तीसरी जरूरत है सभी को साथ लेकर चलने वाला राष्ट्रीय गठबंधन। कोई भी फेडरेशन, मंत्रालय, राज्य सरकार या पेशेवर लीग अपने दम पर विश्वकप क्वालिफिकेशन की क्षमता नहीं रखती। एआईएफएफ को तकनीकी दिशा, नियमन और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी उठानी होगी।

स्वास्थ्य टीम ने चैकिंग दौरान प्राइवेट क्लीनिकों किया सील

जालौन, जीएनएस। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अधीक्षक के साथ नगर में चैकिंग की चैकिंग दौरान प्राइवेट क्लीनिक में अभिलेख न पाए जाने पर ताला लगाकर सील किया उक्त चैकिंग से प्राइवेट डॉक्टरों के बीच हड़कंप मच गया।

शुक्रवार के दिन डीएम एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी संयुक्त के निर्देश पर एसीएमओ डॉक्टर अरविंद भूषण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी के अधीक्षक डॉ दिनेश बर्दिया एवं स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बाजार में प्राइवेट क्लीनिक तथा झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ चैकिंग अभियान चलाया वही

कागजीपुरा स्थित प्राइवेट क्लीनिक में डॉक्टर छुन्ना लाल विश्वकर्मा क्लीनिक में बैठकर आने वाले मरीजों का इलाज कर रहा था तभी टीम ने पहुंचकर अभिलेख मांगे चैकिंग दौरान एक भी अभिलेख नहीं दिखा सका वही टीम ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए तत्काल क्लीनिक को ताला बंद कर सील किया स्वास्थ्य टीम जैसे ही चैकिंग के लिए बाजार में आई उसी समय भनक लगते हुए कई अपने प्राइवेट क्लीनिक संस्थानों को बंद कर झोलाछाप डॉक्टर नदारत हुए वहीं एसीएमओ ने अवगत कराया कि मरीज के द्वारा प्राइवेट क्लीनिक डॉक्टर लोग ज्यादा पैसा लेकर गलत इलाज करने की शिकायत बराबर मिल रही थी।

उन्होंने चैकिंग दौरान अवगत कराया कि जिन डॉक्टरों के पास अभिलेख सही है वह अपनी क्लीनिक खोलकर सकुशल तरीके से संचालन कर सकते हैं बिना अभिलेख के कोई भी प्राइवेट क्लीनिक चलाएगा तो ऐसे लोगों पर कानून का शिकंजा कसकर उनके खिलाफ कार्यवाही अमल में शीघ्र लाई जाएगी।

खाद्य टीम ने सब्जी दुकानो चैकिंग कर मौजूद विक्रेताओं को दिए निर्देश

जालौन, जीएनएस। रक्षाबंधन एवं बाराबफाद त्यौहार को देखते हुए शुक्रवार के दिन खाद्य सुरक्षा टीम ने तीन दूध दुकानों की चैकिंग कर नमूने भरे बाजार में स्थित सब्जियों की दुकान चैकिंग कर सब्जियों के रंगो की जांच कर आने वाले ग्राहकों को अच्छी सब्जी बिक्री करने के निर्देश दिए वही चैकिंग के दौरान मौजूद विक्रेताओं के बीच हड़कंप मच गया। तहसील कालपी खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कटियार ने टीम के साथ टरननगंज स्थित होटल सदर बाजार स्थित अखिलेश पोरवाल एवं संदीप कुमार समेत तीनो की दुकानों से दूध का नमूना लेकर राजकीय प्रयोगशाला जांच हेतु भेजे एक अनोखी पहल के तहत बाजार में

स्थित दर्जनों दुकानों की डोर टू डोर चैकिंग की चैकिंग दौरान मौजूद विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी कोई भी खराब सब्जी यदि बेचेगा चैकिंग दौरान यदि वह पकड़ा गया तो किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा सभी लोग अच्छी सब्जी आने वाले ग्राहक को विक्रय करने के निर्देश दिए।

कालपी के श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' की कविता भारतीय उपमहाद्वीप के पाठ्यक्रम में शामिल

जालौन, जीएनएस। देश के प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार एवं कालपी निवासी श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' की कविता ÷अमृत वेला का सुख÷ को भारतीय उपमहाद्वीप के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। उनकी यह रचना नई दिल्ली की नवनीत एजुकेशन लिमिटेड द्वारा तैयार की गई हिंदी पाठ्यपुस्तक ÷नव गुलिका÷ कक्षा-2 में प्रथम पाठ के रूप में शामिल की गई है। वर्ष 2027 से भारतीय उपमहाद्वीप के बच्चे इस कविता का अध्ययन करेंगे इस उपलब्धि पर शिक्षाविदों तथा समाजसेवियों ने खुशी जताई है।

खबर के मुताबिक कालपी निवासी श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' मध्य प्रदेश के भिंड जनपद स्थित अशोक हायर सेकेंडरी स्कूल, लहार में हिंदी व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं उनकी कविता को बच्चों की मानसिक क्षमताओं, अभिरुचियों, आयु एवं बौद्धिक दक्षताओं को ध्यान में रखते हुए चयनित किया गया है पाठ्यपुस्तक निर्माण से जुड़े विभागीय अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, विद्वान निर्णायक मंडल एवं बाल साहित्यकारों के लंबे विचार-विमर्श के बाद रचना को अंतिम रूप दिया गया श्याम सुंदर श्रीवास्तव

'कोमल' की अनेक रचनाएं महाराष्ट्र बोर्ड (एससीईआरटी), सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में भी पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाई जा रही हैं। बाल साहित्य के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय 'कोमल' को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। कोमल की रचनाएं एनसीईआरटी नई दिल्ली की बाल पत्रिका 'फिरकी बच्चों की', एससीईआरटी बेसिक शिक्षा परिषद लखनऊ की 'प्रेरणा', सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के प्रकाशन विभाग की 'बाल भारती', 'देवपुत्र', 'बाल वाटिका', उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की 'बाल वाणी', बिहार सरकार के किलकारी बाल भवन की 'बाल किलकारी', दिल्ली की 'रीडर्स क्लब बुलेटिन' तथा राजस्थान की 'बच्चों का देश' सहित देश की अनेक प्रतिष्ठित बाल पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं।

एसडीएम के निर्देश पर पुलिस टीम डाकघर पहुंची

जालौन, जीएनएस। डाकघर में खाते की केवाईसी कराने पहुंचे युवक के खाते से कथित तौर पर 1500 रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है पीड़ित ने संविदा कर्मचारी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी से शिकायत की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने कोतवाली पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए पुलिस ने आरोपित संविदा कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

नगर के मोहल्ला मिर्जामंडी निवासी शुभम बिश्नोई पुत्र प्रदीप कुमार बिश्नोई ने शुक्रवार को एसडीएम को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उसका खाता

डाकघर कालपी में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में संचालित है खाते की केवाईसी कराने के लिए वह गुरूवार की दोपहर करीब 12 बजे डाकघर पहुंचा तो काउंटर पर तैनात संविदा कर्मचारी सृजल गुप्ता निवासी काशीरामपुर थाना कालपी ने खाता री-ओपन कराने के नाम पर 185 रुपये खर्च आने की बात कही इसी दौरान कर्मचारी ने उसके खाते से कथित रूप से 1500 रुपये निकाले लिए घर पहुंचने के बाद जब उसने मोबाइल में खाते की जानकारी देखी तो उसे रुपये निकाले जाने का पता चला इसके बाद वह तत्काल डाकघर पहुंचा और कर्मचारी से इस संबंध में जानकारी मांगी तो मामला सामने आने पर कर्मचारी ने उसे 1500 रुपये वापस कर दिए पीड़ित ने शिकायत में आरोप लगाया कि रुपये वापस किए जाने के बावजूद उसके साथ धोखाधड़ी करने का प्रयास किया गया इससे पहले बैरई गांव की एक महिला के साथ भी 5 हजार रूपये की उक्त कर्मचारी ने इसी प्रकार की धोखाधड़ी की थी संविदा कर्मी लम्बे समय से गांव के लोग के साथ धोखाधड़ी कर के उनके खाते से रूपये निकालने का काम कर रहा है मामले की शिकायत मिलने पर उपजिलाधिकारी ने तत्काल कोतवाली पुलिस को जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए इसके बाद एस एस आई उदय प्रताप पुलिस बल साथ डाकघर पहुचे और संविदा कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

युवा मोर्चा ग्रामीण नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री शिवराज यादव ने विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह जी तोमर जी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया

ग्वालियर, जीएनएस। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री नरेंद्र सिंह जी तोमर से आज ग्वालियर प्रवास के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला ग्वालियर ग्रामीण के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री शिवराज यादव जी ने आज उनके

निवास स्थान ‒ 29 - रेस क्रॉस रोड ग्वालियर पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट कर श्री तोमर साहब का गुलदस्ता के साथ आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन लिया इउन्होंने श्री शिवराज यादव को पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया । श्री शिवराज यादव जी को उनके निवास पर मौजूद भारतीय जनता पार्टी के जेष्ठ एंव श्रेष्ठ नेताओ व कार्यकर्ताओ ने नए दायित्व के लिए स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज मे भावपूर्ण फेयरवेल समारोह,डॉ.रितु गर्ग व डॉ. संजय गर्ग ने छात्र-छात्राओं को सेवा व समर्पण के साथ आगे बढ़ने का दिया संदेश

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। नेवादा,सुंदरपुर स्थित संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज मे 21अगस्त शुक्रवार को अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए भावपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण फेयरवेल पार्टी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम में संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुशती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह बबलू रहे 7 कार्यक्रम के दौरान पिछले सत्र में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए सभी छात्र- छात्राओं को दुपट्टा पहनाकर एवं साफा लगाकर सम्मानित किया गया 7 इस अवसर पर संस्थान की डायरेक्टर डॉ.रितु गर्ग ने अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त करते हुए सभी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की 7 उन्होंने कहा कि संस्थान से निकलने के बाद विद्यार्थी अपने ज्ञान,संस्कार और सेवा भावना के साथ समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाएं।

डॉ.संजय गर्ग ने भी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उन्हें बधाई दी और जीवन में

निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया 7 वहीं डॉ.प्रियांश गर्ग ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, मेहनत करने और अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया 7 इस अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षकों ने उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने तथा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में सेवा,समर्पण और मानवता की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया 7 मुख्य अतिथि संजय सिंह बबलू ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं 7 उन्होंने कहा कि नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र सेवा,समर्पण और मानवता से जुड़ा हुआ क्षेत्र है और विद्यार्थियों को अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज की सेवा के लिए करना चाहिए 7 फेयरवेल समारोह के दौरान छात्र -छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए 7 विद्यार्थियों ने डांस,गीत एवं विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए 7 पूरे कार्यक्रम में उत्साह,उमंग और भावनाओं का खूबसूरत संगम देखने को मिला 7 विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए अपने संस्थान और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ 7 सभी छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी की और फेयरवेल की यादों को अपने जीवन का एक खूबसूरत हिस्सा बनाया।

ईंधन आत्मनिर्भरता बनाम महंगी रसोई - चीनी की कीमत बढ़ने के पीछे एथेनॉल नीति कितनी जिम्मेदार?

चीनी की मिठास पर महंगाई का वार, ई-20 नीति पर उठे सवाल

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में दुनियाँ एक ऐसे दौर से गुजर रही है,जहां ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन तीनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़ चुके हैं।पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करना,कार्बन उत्सर्जन घटाना और घरेलू ऊर्जा संसाधनों का विस्तार करना आज भारत सहित हर बड़ी अर्थव्यवस्था की प्राथमिकता है।इसी व्यापक रणनीति के तहत भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया। सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार एथनोल सप्लाई ईयर 2024-25 में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 19.24 प्रतिशत तक पहुंच चुका था और 2025-26 के लिए 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। एथेनॉल उत्पादन क्षमता भी अक्टूबर 2025 तक बढ़कर लगभग 1,953 करोड़ लीटर हो चुकी थी। लेकिन अगस्त 2026 में चीनी की कीमतों में आई असाधारण तेजी ने इस नीति के दूसरे पहलू पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, क्या ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दौड़ में कहीं भारत कीखाद्य सुरक्षा और आम उपभोक्ता की रसोई तो महंगी नहीं हो रही?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत जैसा विशाल और घनी आबादी वाला देश खाद्य पदार्थों की उपलब्धता के मामले में किसी भी प्रकार का जोखिम लंबे समय तक वहन नहीं कर सकता।ऊर्जा और भोजन दोनों आवश्यकताएं हैं, लेकिन प्राथमिकता के स्तर पर भोजन जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है।यदि किसी नीति के कारण ईंधन सस्ता, आयात बिल कम और पर्यावरणीय लाभ बेहतर होते हैं,लेकिन उसी प्रक्रिया में रोजमर्रा की खाद्य सामग्री महंगी होने लगती है, तो नीति की सफलता को केवल ऊर्जा के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। उसे किसान,उद्योग, उपभोक्ता,महंगाई और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा,सभी कसौटियों पर परखना होगा। आज चीनी का बाजार इसी बहुआयामी परीक्षा के सामने खड़ा दिखाई दे रहा है।

साथियों,अगस्त 2026 इस चिंता को और गंभीर बनाता हैं। चीनी की कीमतें पिछले महीनों में तेजी से बढ़ी हैं और सरकार को घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए असाधारण कदम उठाने पड़े हैं। 20 अगस्त को केंद्र ने एक दशक में पहली बार 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी,जिसका उद्देश्य घरेलू उपलब्धता बढ़ाकर कीमतों पर दबाव कम करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो महीनों में घरेलू चीनी कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।सरकार ने इससे पहले निर्यात पर रोक और स्टॉक-सीमा जैसे कदम भी उठाए थे।इसका अर्थ स्पष्ट है कि समस्या केवल किसी एक व्यापारी,किसी एक राज्य या किसी एक दिन की कीमत वृद्धि नहीं है; देश के चीनी आपूर्ति तंत्र में वास्तविक दबाव पैदा हुआ है।मेरी अपनी राइस सिटी गोंदिया में पिछले लगभग 20 दिनों से चीनी के खुदरा भाव पर नजर रखने के दौरान शुक्रवार 21 अगस्त 2026 को लगभग 70 रुपये प्रति किलोग्राम का भाव बताया गया। यदि यह स्थानीय खुदरा बाजार का वास्तविक लेन-देन मूल्य है, तो लगभग 20 दिनों में 45 रुपये के आसपास के स्तर से 70 रुपये तक पहुंचना करीब 25 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि है। इसे राष्ट्रीय औसत मानना उचित नहीं होगा,क्योंकि अलग-अलग शहरों में थोक, खुदरा, ब्रांड, गुणवत्ता, परिवहन और स्थानीय आपूर्ति के कारण कीमतें अलग हो सकती हैं।फिर भी गोंदिया का यह अनुभव उस राष्ट्रीय मूल्य-दबाव की स्थानीय तस्वीर अवश्य प्रस्तुत करता है जिसकी पुष्टि राष्ट्रीय बाजार में तेजी से भी होती है। मुंबई में भी हाल में चीनी के भाव में एक सप्ताह में लगभग 8 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई। यह अकेले ई-20 की कीमत नहीं है; इसमें उत्पादन की कमी, मौसम, कम शुरुआती स्टॉक, त्योहारी मांग, व्यापारिक अपेक्षाएं, परिवहन, स्थानीय मार्जिन और संभव जमाखोरी जैसे कई तत्व शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि संकट बहु-कारकीय है। सरकार का 10 लाख टन शुल्क- मुक्त आयात का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि घरेलू आपूर्ति बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता महसूस हुई है। इसलिए गोंदिया में 70 रुपये का भाव यदि लगातार कई दुकानों और अलग-अलग लेन-देन में मिल रहा है, तो इसे स्थानीय आपूर्ति-श्रृंखला में असामान्य तनाव का सटीकता से संकेत माना जाना चाहिए।

साथियों,सबसे पहले भारत का चीनी नियामक ढांचा भी इस संकट को समझने में महत्वपूर्ण है। चीनी और गन्ना एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट,1955 के दायरे में आते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ़ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के अनुसार शुगरकेन (कंट्रोल) आर्डर ,1966 के तहत सरकार गन्ने के एफआरपी सहित कई पहलुओं को नियंत्रित करती है, जबकि शुगर (कंट्रोल) आर्डर 2025 उत्पादन, बिक्री, स्टॉक, आयात -निर्यात और न्यूनतम बिक्री मूल्य जैसे विषयों पर सरकार को नियामक शक्तियां देता है।इसलिए चीनी को पूरी तरह मुक्त बाजार की वस्तु समझना सही नहीं होगा। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सरकार किसान, मिल, व्यापारी और उपभोक्ता के बीच संतुलन बनाने के लिए लगातार हस्तक्षेप करती है।यही कारण है कि चीनी की कीमत बढ़ने का असर केवल उपभोक्ता की चाय तक सीमित नहीं रहता।मिठाई उद्योग, बिस्कुट, बेकरी,शीतल पेय,आइसक्रीम होटल- रेस्तरां और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की लागत बढ़ती है। अंततः इसका कुछ हिस्सा उपभोक्ता तक पहुंचता है और व्यापक खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, यदि चीनी की कीमत बहुत कम रखी जाती है तो मिलों की नकदी स्थिति कमजोर हो सकती है और किसानों के गन्ना भुगतान में देरी हो सकती है। इसलिए सरकार के सामने चुनौती चीनी सस्ती करो जितनी सरल नहीं है;उसे किसान को उचित मूल्य, मिल को आर्थिक स्थिरता और उपभोक्ता को वहनीय कीमत,तीनों उपलब्ध कराने हैं।

साथियों, इस परिस्थिति को केवल एथेनॉल बनाम चीन के सरल समीकरण से समझना अधूरा होगा।वास्तव में भारतीय चीनी अर्थव्यवस्था गन्ना, चीनी, शीरा, एथेनॉल, किसान भुगतान, मिलों की नकदी स्थिति, सरकारी कोटा, निर्यात-आयात, मौसम और त्योहारों की मांग–इन सभी के बीच बनी एक जटिल आर्थिक श्रृंखला है। एथेनॉल इस श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा अवश्य है, लेकिन वही अकेला कारण नहीं है। यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।गन्ने से चीनी और एथेनॉल बनने की प्रक्रिया को समझना यहां जरूरी है। गन्ने से चीनी बनाने के बाद अलग-अलग प्रकार के शीरे प्राप्त होते हैं।सी -हैवी मोलासेज मुख्यतः चीनी निर्माण की अंतिम अवस्था का उप-उत्पाद है, जबकि बी - हैवी मोलासेज में अधिक सुक्रोज रहता है। सरकार ने एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए बी - हैवी मोलासेज , गन्ने के रस, सिरप और यहां तक कि चीनी-आधारित फीडस्टॉक से एथेनॉल उत्पादन की अनुमति दी है। आधिकारिक नीति के अनुसार 2024-25 में गन्ने के रस/चीनी/शुगर सिरप से बने एथेनॉल का एक्स-मिल मूल्य 65.61 रुपये प्रति लीटर और बी - हैवी मोलासेज आधारित एथेनॉल का 60.73 रुपये प्रति लीटर निर्धारित था। इससे मिलों के लिए एथेनॉल एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक राजस्व स्रोत बन गया।यहीं फूड बनाम फ्यूल का प्रश्न सटीकता से वास्तविक रूप लेता है।

साथियों, 21 अगस्त 2026 को यहीं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा उठाया गया राजनीतिक आरोप बहस को और तीखा बनाता है। उन्होंने केंद्र की ई-20 नीति को चीनी की कीमतों में तेजी से जोड़ते हुए दावा किया कि एथेनॉल के लिए गन्ने और चीनी की दिशा बदलने से बाजार में कमी पैदा हुई। उनके आरोप को राजनीतिक बयान के रूप में अलग रखा जा सकता है,लेकिन जिस मूल आर्थिक प्रश्न की ओर वे संकेत करते हैं,यानी वैकल्पिक उपयोग के कारण किसी वस्तु की घरेलू उपलब्धता पर दबाव उसे आंकड़ों के आधार पर जांचना आवश्यक है।दूसरी ओर, सरकार की नीति का मूल उद्देश्य भी केवल पेट्रोल में एथेनॉल मिलाना नहीं था; इसका एक उद्देश्य चीनी उद्योग में अतिरिक्त स्टॉक, मिलों की नकदी समस्या और किसानों के बकाये का समाधान करना भी रहा है। सरकार ने 2021 में स्पष्ट किया था कि एथेनॉल के लिए डायवर्ट की गई मात्रा को चीनी मिलों के मासिक रिलीज कोटा में प्रोत्साहन दिया जाएगा।इसलिए आज की महंगाई के लिए केवल ई -20 को विलेन घोषित करना आर्थिक रूप से उतना ही सरलीकरण होगाजितना उसे पूरी तरह निर्दोष मान लेना।वास्तविकता कई कारणों का संगम है।पहला बड़ा कारण उत्पादन में कमजोरी है।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र,कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख गन्ना क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम ने उत्पादन और उपलब्धता पर दबाव डाला है।इसके परिणाम स्वरूप अक्टूबर 2026 की शुरुआत में चीनी का शुरुआती स्टॉक लगभग 35 लाख टन तक गिरने का अनुमान लगाया गया है, जिसे करीब तीन दशकों का निम्न स्तर बताया गया है।जब शुरुआती स्टॉक कमजोर हो, तब मामूली मांग वृद्धि भी कीमतों पर असाधारण प्रभाव डाल सकती है।

साथियों दूसरा कारण है त्योहारी मांग।भारत में रक्षाबंधन से लेकर गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली तक मिठाई, बेकरी, पेय पदार्थ, धार्मिक प्रसाद और घरेलू उपभोग में चीनी की मांग बढ़ती है। अगस्त से नवंबर का समय इसलिए चीनी बाजार के लिए संवेदनशील है। सरकार ने भी इसी कारण थोकउपभोक्ताओं की स्टॉक सीमा को 30 दिनों से घटाकर 15 दिनों तक करने का निर्णय लिया है, ताकि बड़े खरीदार अत्यधिक स्टॉक जमा करके बाजार में कृत्रिम कमी न पैदा करें। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार स्वयं मांग, आपूर्ति और जमाखोरी के संयुक्त दबाव को गंभीर मान रही है।तीसरा कारण है व्यापारिक मनोविज्ञान। जब बाजार में यह धारणा बन जाती है कि आने वाले दिनों में चीनी और महंगी होगी, तो व्यापारी सामान्य आवश्यकता से अधिक खरीद सकते हैं। उपभोक्ता भी भविष्य की कीमतों से डरकर अग्रिम खरीदारी कर सकते हैं। इस तरह वास्तविक कमी से अधिक 'कमी की आशंका' कीमत बढ़ा सकती है। सरकार ने 28 जुलाई 2026 को चीनी डीलरों पर स्टॉक- होल्डिंग सीमा लागू करते हुए स्पष्ट किया था कि हाल की एक्स-मिल कीमत वृद्धि मौजूदा मांग-आपूर्ति फंडामेन्टल्स से पूरी तरह समर्थित नहीं थी और इसका उद्देश्य जमाखोरी तथा सट्टेबाजी पर रोक लगाना था। इसलिए बिचौलियों और जमाखोरों की भूमिका की सटीकता से जांच भी उतनी ही जरूरी है जितनी एथेनॉल नीति की।

साथियों,चौथा कारण है पूर्ववर्ती व्यापार नीति। यदि किसी समय घरेलू उपलब्धता के अनुमान के आधार पर निर्यात की अनुमति दी गई हो और बाद में उत्पादन अनुमान कमजोर साबित हों, तो घरेलू बाजार में स्टॉक तेजी से घट सकता है। वर्तमान संकट में पिछले निर्यात और कमजोर शुरुआती स्टॉक को प्रमुख कारणों में गिना जा रहा है। ऋह्लह्लद्गह्य ने लगभग 8 लाख टन के पूर्व निर्यात को भी उपलब्धता के दबाव से जोड़ा है। यही कारण है कि आज सरकार को एक तरफ घरेलू बाजार में कीमत रोकने के लिए आयात खोलना पड़ रहा है और दूसरी तरफ स्टॉक सीमा तथा व्यापार नियंत्रण जैसे कदम सटिकता से उठाने पड़ रहे हैं।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या भारत को ईंधन की आत्मनिर्भरता भोजन की कीमत पर हासिल करनी चाहिए? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं होना चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि एथेनॉल नीति गलत है।सही निष्कर्ष यह है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और खाद्य आत्मनिर्भरता को एक-दूसरे का प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि परस्पर संतुलित राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया जाए। जिस वर्ष गन्ने का उत्पादन मजबूत हो, घरेलू चीनी स्टॉक पर्याप्त हो और खपत की जरूरत सुरक्षित हो, उस समय एथेनॉल के लिए अधिक म डायवर्जन किया जा सकता है। लेकिन जब शुरुआती स्टॉक ऐतिहासिक रूप से नीचे जा रहा हो और त्योहारी मांग सामने हो, तब खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता देना अधिक विवेकपूर्ण होगा।

हैप्पी डेज स्कूल में पिकल बॉल खेल का भव्य शुभारंभ

शिवपुरी जीएनएस

शहर के एबी रोड स्थित हैप्पीडेज स्कूल में नवनिर्मित पिकल बॉल कोर्ट का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीवान अरविन्द लाल एवं श्रीमती गीता दीवान रहे। जिला पिकल बॉल एसोसिएशन के सचिव निखिल चौकसे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विधिवत रिबिन काटते हुए पिकल बॉल खेल का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों एवं खिलाड़ियों ने कोर्ट पर खेल का शुभारंभ करते हुए पहला शॉट खेला। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों ने कहा कि पिकल बॉल वर्तमान समय में तेजी से लोकप्रिय हो रहा खेल है। शिवपुरी में इस खेल के लिए नए कोर्ट की शुरुआत होने से खिलाड़ियों, युवाओं एवं खेलप्रेमियों को एक नया अवसर मिलेगा। इससे जिले में पिकल बॉल को बढ़ावा देने तथा नई खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिला पिकल बॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों में अभिजित सेंगर, सुनील जैन (मुन्नू), शिवा पाराशर, अर्जुन साहू, अमृत वाजपेयी, अमन चौधरी एवं आर्यन अवस्थी ने स्कूल प्रबंधन को इस नई खेल सुविधा के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में कोच निखिल चौकसे एवं मनोज मितई ने सभी अतिथियों, जिला पिकल बॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

निगमायुक्त ने समझाया गीले कचरे से खाद बनाने का तरीका, 25 स्कूलों में चल रही स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता

बच्चों ने निगमायुक्त से पूछा- सड़क पर कचरा फेंकने वालों को कैसे रोकें

ग्वालियर जीएनएस

सड़क पर लोग कचरा फेंक देते हैं और पॉलीथिन में सब्जी-फल का कचरा डालकर छोड़ देते हैं, जिसे खाने से गायों की मौत तक हो जाती है। यह सवाल ग्वालियर ग्लोरी स्कूल के बच्चों ने नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय से किया। निगमायुक्त ने बच्चों को बताया कि सड़क पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ नगर निगम कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा कि गीले कचरे का घर में ही उपयोग कर खाद बनाई जा सकती है। इसके लिए बच्चों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

25 स्कूलों के बीच हो रही स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता : नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देश और अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के नेतृत्व में शहर के 25 स्कूलों के बीच स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसके तहत नगर निगम की टीम स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है। इसी क्रम में ग्वालियर ग्लोरी स्कूल में निगमायुक्त ने बच्चों से संवाद कर उन्हें स्वच्छता का पाठ पढ़ाया। पदमा विद्यालय में भी विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

गीले कचरे से खाद बनाना सीखा : स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता के तहत विद्यार्थियों को गीले कचरे से खाद बनाने की जानकारी दी जा रही है। बच्चों को बताया गया कि घर में निकलने वाले गीले कचरे से माता-पिता के सहयोग से खाद तैयार की जा सकती है। इस खाद का उपयोग घर के पेड़-पौधों में किया जा सकता है। निगम अधिकारियों ने बच्चों से स्वच्छता की इस आदत को अपने घर और आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

टीबी मरीजों के लिए केमिस्ट एसोसिएशन ने बांटी पोषण किट

शिवपुरी जीएनएस

बीती 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन शिवपुरी द्वारा सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए जिला चिकित्सालय परिसर में टीबी मरीजों के लिए पोषण किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 160 से अधिक टीबी मरीजों के परिजनों को पोषण किट वितरित की गई। पोषण किट में देसी चना, गेहूं का आटा, दाल, मूंगफली के दाने, चावल एवं बेसन सहित पोषण से संबंधित आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल की गई। एसोसिएशन द्वारा टीबी मरीजों के पोषण एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। इससे पूर्व करैरा में भी 65 पोषण किटों का वितरण किया जा चुका है।

केमिस्ट एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी अनिल सांड ने जानकारी देते हुए बताया कि टीबी मरीजों के लिए पोषण किट वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषिश्वर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रदीप वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सी.पी. गोयल, सचिव गोपालदास अग्रवाल, संभागीय सचिव कैलाश अग्रवाल सहित नरेंद्र गुप्ता, उत्तम सिंह धाकड़, अभिषेक शर्मा, पंकज गुप्ता, जतिन गुप्ता, दिनेश मित्तल, रवि गोयल, पहलवान सिंह ओझा, संजय जैन, कालीचरण शिवहरे, पीयूष गोयल, ओम प्रकाश वर्मा, श्रीकांत भार्गव, आशीष गोयल, अंशुल गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन गोपालदास अग्रवाल द्वारा किया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि टीबी मरीजों को नियमित उपचार के साथ पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना उनके स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इस प्रकार की सामाजिक पहल आगे भी जारी रहेगी।

वीआईएसएम कॉलेज में 10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का समापन

एनसीसी कैडेट्स ने सांस्कृतिक संध्या में बिखेरा प्रतिभा का रंग

ग्वालियर जीएनएस

वीआईएसएम कॉलेज में 15 एमपी बटालियन, ग्वालियर द्वारा आयोजित 10 दिवसीय कमांडिंग एनुअल ट्रेनिंग कैम्प (कैट-41) का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई, जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आठ शहरों के 436 कैडेट्स ने लिया प्रशिक्षण : शिविर में जबलपुर, सागर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, दतिया और शिवपुरी से आए 436 कैडेट्स ने भाग लिया। 10 दिनों के दौरान कैडेट्स को यातायात नियम एवं सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, अग्निशमन और फायरिंग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

अनुशासन और नेतृत्व के गुर सीखे : प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स ने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आपात परिस्थितियों से निपटने के कौशल सीखे। शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को समापन समारोह में पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए।

प्रशिक्षण से जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा मिलती है : मुख्य अतिथि व्हीआईएसएम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर कैडेट्स को कठिन परिस्थितियों का सामना करने और टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कैडेट्स से शिविर में प्राप्त ज्ञान और अनुभव को जीवन में अपनाकर देश एवं समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में व्हीआईएसएम ग्रुप की निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस अवसर पर 15 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल देवेंद्र सिंह वर्मा, एडम कर्नल संजीव सरीन सहित बटालियन के अधिकारी और पीआई स्टाफ उपस्थित रहा।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वृद्धजनों के लिए विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

शिवपुरी जीएनएस

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेंद्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में शुक्रवार को एडीआर भवन शिवपुरी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी की अध्यक्षता में वृद्धजनों के लिए विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में श्रीमती रंजना चतुर्वेदी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं उनको शासकीय योजनाओं से मिलने वाले लाभ के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम, निशुल्क विधिक सहायता, नालसा वरिष्ठ नागरिकों हेतु विधिक सेवा योजना 2016 के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की।

जन विश्वास अभियान के शिविर में पीएम स्वनिधि, स्ट्रीट लाइट और संपत्तिकर सहित शिकायतों का तत्काल निराकरण

निगमायुक्त ने सुनीं समस्याएं, 27 हितग्राहियों को मौके पर मिला लाभ

ग्वालियर जीएनएस

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 16 जीवाजीगंज में विशेष शिविर आयोजित किया गया। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को फोन पर निर्देश देकर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया।

27 हितग्राहियों की समस्याओं का हुआ समाधान : शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राही विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने पहुंचे। इनमें से 27 हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण कर उन्हें हितलाभ प्रदान किया गया। इनमें पीएम स्वनिधि से संबंधित 12, कामकाजी महिला योजना का एक, सीएम हेल्पलाइन के दो, स्ट्रीट लाइट से संबंधित चार और संपत्तिकर की आठ शिकायतों का समाधान किया गया। इसके अलावा सैकड़ों आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए।

मौके पर बांटे हितलाभ प्रमाण-पत्र : निगमायुक्त ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों

को नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिया गया और कई हितग्राहियों को हितलाभ प्रमाण-पत्र सौंपे गए।

अधिकारियों ने वार्डों में पहुंचकर सुनीं समस्याएं : मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पौधारोपण के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर नागरिकों को साफ-सफाई का संदेश भी दिया गया।

अगले शिविर सितंबर से जनवरी तक : अभियान के तहत अगला शिविर 11 सितंबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 2 नौमहला उपनगर ग्वालियर में लगेगा। इसके बाद 18 सितंबर को कार्यालय क्रमांक 9, 25 सितंबर को क्रमांक 17, 9 अक्टूबर को क्रमांक 10 में जिला स्तरीय शिविर, 16 अक्टूबर को क्रमांक 3 एवं 14 तथा 23 अक्टूबर को क्रमांक 10 एवं 24 में शिविर आयोजित होंगे। इसके बाद 30 अक्टूबर को 7 एवं 22, 6 नवंबर को 4 एवं 20, 13 नवंबर को 11 एवं 21, 20 नवंबर को 18 एवं 25, 27 नवंबर को 23, 4 दिसंबर को 5, 12 दिसंबर को 12, 18 दिसंबर को 19, 1 जनवरी 2027 को 1 और 8 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 में शिविर आयोजित किया जाएगा।

केला देवी महिला भक्त मंडल ने धूमधाम से मनाया हरियाली महोत्सव, सावन की मल्हार से गूंजा मंदिर परिसर

पोरसा, जीएनएस। सावन माह की हरियाली और धार्मिक परंपराओं को जीवंत करते हुए नागाजी महाराज मंदिर परिसर स्थित राजराजेश्वरी केला मैया मंदिर में आज केला देवी महिला भक्त मंडल के तत्वावधान में हरियाली महोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कई दर्जन महिलाओं ने भाग लेकर सावन की मल्हार और हरियाली के पारंपरिक गीत गाए। गीत-संगीत के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं और वातावरण भक्तिमय एवं उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम मंदिर के पुजारी रामदास श्रोत्रिय महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। महिलाओं ने भगवान के दर्शन-पूजन के साथ हरियाली महोत्सव की परंपरा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

हरियाली महोत्सव केवल मनोरंजन या धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला

पर्व भी है। सावन में चारों ओर दिखाई देने वाली हरियाली जीवन में नई ऊर्जा, उमंग और खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है। पेड़-पौधे वातावरण को शुद्ध रखने के साथ वर्षा चक्र, मिट्टी संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिलाओं ने कार्यक्रम के माध्यम से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा हरियाली को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति की रक्षा का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण तैयार किया जा सकता है। हरियाली महोत्सव में सरस्वती शर्मा, रेखा गुप्ता, अर्चना, सीमा, रेनू, बृजबाला गुप्ता, रेखा, अंजना, राधा, सावित्री, रीना, पदमा, पिंकी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीत और हरियाली की मल्हार गाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सावन के गीतों के माध्यम से महिलाओं ने प्रकृति, वर्षा, हरियाली और भारतीय संस्कृति से जुड़े भावों को प्रस्तुत किया। मंदिर परिसर में महिलाओं की सामूहिक भागीदारी से माहौल आनंद और भक्ति से भर गया।

रीवा में पड़रा तिराहे से टाइगर सफारी तक बनी मॉडल रोड एक साल में ही उखड़ी, सड़क धंसी

रीवा, जीएनएस। रीवा शहर के विकास की पोल एक बार फिर खुल गई है। शहर के पड़रा तिराहे से कृषि कॉलेज, विक्रम पुल और पचमठा होते हुए टाइगर सफारी तक बनाई गई करोड़ों की मॉडल रोड निर्माण के महज एक साल के भीतर ही अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। पहली बारिश में ही इस सड़क की गुणवत्ता की कलई खुल गई है।

जगह-जगह उखड़ी सड़क, पुलिया के पास धंसा हिस्सा

स्थानीय लोगों के अनुसार इस मॉडल रोड में जगह-जगह परखच्चे उड़ चुके हैं। सड़कों की खराब गुणवत्ता के चलते सीमेंटेड सड़क उखड़ गई है और पेवर ब्लॉक धंस गए हैं। सबसे ज्यादा खतरनाक स्थिति निर्माण के दौरान बनाई गई पुलिया के पास है, जहां से लगी हुई पूरी सड़क धसक गई है। इससे यहां से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और कभी भी बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है।

मलबे की पैचिंग कर की जा रही सुंदरता की लीपापोती

हैरानी की बात यह है कि इस धंसी हुई सड़क को सही तरीके से ठीक करने की बजाय प्रशासन आवागमन सुचारू रखने के नाम पर केवल मलबे की पैचिंग कर महज सुंदरता का लेप पोता जा रहा है। मलबा डालकर गड्ढों को भरने की कोशिश की जा रही है, जो अगली बारिश में फिर से बह जाएगा। लोगों का कहना है कि यह मरम्मत नहीं बल्कि भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश है।

÷वाह रे रीवा का विकास!÷

बतादें कि इस मॉडल रोड को बनाने के लिए सीमेंटेड सड़क और दोनों ओर सुंदर पेवर ब्लॉक लगाकर इसे आधुनिक और सुंदर रूप दिया गया था। शहर के लोगों को उम्मीद थी कि यह सड़क लंबे समय तक चलेगी, लेकिन पहली ही बरसात और एक साल के भीतर इसकी पोल खुलने से स्थानीय लोगों के मुंह से यही निकल रहा है कि ÷वाह रे रीवा का विकास!÷ सोशल मीडिया पर भी लोग इस घटिया निर्माण को लेकर प्रशासन को जमकर कोस रहे हैं।

डीएम ने स्कूल का किया औचक निरीक्षण 355 में 274 विद्यार्थी मिले उपस्थित

फिरोजाबाद, जीएनएस। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शनिवार को तहसील फिरोजाबाद क्षेत्र स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय सिविल लाइन डबरई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, साफ-सफाई और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में 355 छात्र-छात्राएं पंजीकृत पाए गए, जिनमें 274 विद्यार्थी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कक्षावार विद्यार्थियों के अध्ययन की स्थिति और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने

के निर्देश दिए। खराब टोटियां और शौचालय व्यवस्था में सुधार के निर्देश मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बताया गया कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही विद्यार्थियों के लिए भोजन तैयार कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने विद्यालय के शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। कुछ टोटियां खराब मिलने पर जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को सभी व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रदेश संगठन और स्थानीय संगठन में अल्पसंख्यक समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए

गाजियाबाद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त सचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजीव आर्य जी से जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एआईसीसी कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष सलीम अहमद सैफी ने संजीव आर्य जी का बुके देकर स्वागत किया और गाजियाबाद जिले में कांग्रेस संगठन की स्थिति एवं कार्यकर्ताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। सलीम अहमद सैफी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गठन में इस बार मुस्लिम समाज सहित सभी अल्पसंख्यक समुदायों को उनकी आबादी एवं संगठन में योगदान के अनुरूप उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर भी मुस्लिम समाज के सक्रिय एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जिला अथवा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सहित संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

चीनी की जमाखोरी पर प्रशासन सख्त, थोक विक्रेताओं के गोदामों पर होगी छापेमारी

फिरोजाबाद। चीनी के दामों में कृत्रिम बढ़ोतरी, जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसजीएसटी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और मंडी परिषद के अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम गठित की गई है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विजयेता सिंह ने बताया कि जिले के सभी चीनी थोक विक्रेताओं और डीलरों की अद्यतन सूची तैयार कराई जा रही है। टीम इनके प्रतिष्ठानों और भंडारण गृहों का औचक भौतिक सत्यापन करेगी।जांच के दौरान गोदाम में मौजूद वास्तविक स्टॉक का मिलान खरीद-बिक्री रजिस्टर और भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज विवरण से किया जाएगा। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक मिलने या पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। चीनी के दामों में अनुचित बढ़ोतरी अथवा जमाखोरी का प्रयास मिलने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा मंडल अध्यक्ष की झोला छाप डॉक्टरी ने ली जान

झोलाछाप क्लीनिक बंद करके हुआ फरार। रौन स्थित विधि क्लीनिक संचालक झोलाछाप डॉक्टर पुष्पेंद्र कुशवाह जो मिहोना के भाजपा मंडल अध्यक्ष भी है के द्वारा इससे पहले भी कई मरीजों की जान ले चुका है,इसके बावजूद भी वो बे खौफ अपनी क्लीनिक का संचालन कर रहा था। स्वास्थ्य विभाग के अभयदान में लहार,रौन,मिहोना,उमरी,फूप, भिंड सहित कई जगहों पर खुलेआम झोलाछाप डॉक्टर अपनी क्लिनिको का संचालन कर रहे है। बड़ा सवाल कब तक यह झोलाछाप डॉक्टर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे, स्वास्थ्य विभाग इनके ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं करता।

रीवा के रतहरा में शराब दुकान के सामने पैसों के लेनदेन पर ठेले वालों ने युवक को पीटा, आए दिन हंगामे से जाम और दहशत

रीवा, जीएनएस। रीवा शहर के सबसे व्यस्ततम इलाकों में से एक रतहरा में स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के सामने गुरुवार रात एक बार फिर मारपीट और हंगामे की घटना सामने आई है। पैसे के लेनदेन को लेकर हुए मामूली विवाद में ठेले वालों ने एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पैसे के लेनदेन पर बेरहमी से पिटाई जानकारी के अनुसार गुरुवार रात रतहरा शराब दुकान के सामने कुछ ठेले वाले और एक व्यक्ति के बीच पैसे को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि ठेले वालों ने मिलकर उस व्यक्ति को घेर लिया और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले लोग नशे की हालत में थे। आसपास मौजूद लोगों ने किसी

तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार रतहरा शराब दुकान के सामने इस तरह की घटनाएं होना अब आम बात हो गई है। शाम होते ही यहां शराबियों का जमावड़ा लग जाता है और नशे की हालत में आए दिन आपसी विवाद, गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। इसका सीधा असर यातायात पर भी पड़ता है। शराब दुकान के सामने ठेले और भीड़ के कारण आए दिन भारी जाम की स्थिति निर्मित होती है, जिससे आम राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस ताजा घटना के बाद से स्थानीय नागरिकों में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि पुलिस की गश्त न होने के कारण असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। रात के समय यहां कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं रहता, जिसके कारण ऐसी वारदातें बढ़ रही हैं। नागरिकों ने मांग की है कि रतहरा शराब दुकान के आसपास पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाई जाए और ठेले वालों के अतिक्रमण को हटाया जाए ताकि जाम और अपराध दोनों पर लगाम लग सके।

प्रकाशनार्थ समाचार- धारा 27/28 की ऑनलाइन प्रक्रिया में आ रही परेशानियां दूर करने की मांग

भोपाल, जीएनएस।
फर्म एवं सोसाइटी से संबंधित धारा 27/28 की ऑनलाइन प्रक्रिया में आ रही तकनीकी एवं व्यावहारिक परेशानियों को लेकर यूएनजीओ ग्रुप एवं फर्म एंड सोसाइटी वार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 को नवनियुक्त रजिस्ट्रार श्री दीपक वैद्य से मुलाकात कर उन्हें मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधियों विनोद शर्मा एवं सतीश पुरोहित ने रजिस्ट्रार से रूबरू चर्चा करते हुए ऑनलाइन पोर्टल में आवश्यक सुधार किए जाने की मांग पत्र दिया जिसमें कहा गया है कि,जिन संस्थाओं का संशोधन 2026 के पहले हो चुका है,अथवा नाम परिवर्तन किया गया है,पोर्टल पर उनका नया नाम दिखाई दे रहा हैं। पोर्टल पर वही पुराना नाम ही लॉगिन हो रहा हैं। इसके अलावा वर्ष 2025 तक धारा 27 एवं 28 से संबंधित जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने की मांग की गई है।संस्था प्रतिनिधियों ने धारा 27 का फॉर्म भरने के बाद उसमें संशोधन, एडिट एवं चेक करने का विकल्प उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि वर्तमान प्रक्रिया में ई-साइन का विकल्प आने के बाद फॉर्म में आवश्यक सुधार करना संभव नहीं रहता। इसलिए ई-साइन से पहले फॉर्म को जांचने और आवश्यक संशोधन करने की सुविधा दी जानी चाहिए।

मांग-पत्र में यह भी कहा गया है कि धारा 27 का फॉर्म भरने और ई-साइन करने के बाद निर्धारित 55 रुपये के भुगतान के साथ पूरा फॉर्म ऑनलाइन दिखाई दे। इसमें समिति के सभी सदस्यों के नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-साइन तथा कार्यकाल संबंधी जानकारी शामिल हो। साथ ही प्रारूप-7 को ऑनलाइन प्रिंट निकालने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए।धारा 28 के संबंध में मांग की गई है कि ऑडिट के विवरण दर्ज करने का विकल्प हटाकर उसकी जगह सीए द्वारा तैयार ऑडिट रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड करने की सुविधा दी जाए। इसके लिए कम से कम 5 एमबी तक की फाइल अपलोड करने की क्षमता उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

इसके अलावा समिति के सदस्यों के ई-साइन के लिए क्रमबद्ध प्रक्रिया को हटाकर जो सदस्य पहले से उपलब्ध हैं, उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार ई-साइन करने का विकल्प दिए जाने की मांग भी रखी गई है।

प्रतिनिधियों ने कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया को सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने से प्रदेश की विभिन्न समितियों को धारा 27/28 की जानकारी दर्ज करने तथा आवश्यक दस्तावेज जमा करने में सुविधा होगी। इस दौरान रजिस्ट्रार श्री दीपक वैद्य को ऑनलाइन प्रक्रिया से संबंधित समस्याओं और उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझावों से विस्तार से अवगत कराया गया।

सफल प्रशिक्षण के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी गई

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, ड्रिल, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग, टीमवर्क, व्यक्तित्व विकास तथा हृष्ट से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उनके लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक अनुभव रहा,...विद्यालय में वापस आने पर विद्यालय परिवार द्वारा मिस अंबिका राणा का स्वागत किया गया तथा उनके सफल प्रशिक्षण के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी गई। विद्यालय प्रबंधन एवं प्राचार्य ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का लाभ विद्यालय के हृष्ट कैडेट्स को मिलेगा और कैडेट्स में अनुशासन, नेतृत्व, देशभक्ति, सेवा भावना एवं जिम्मेदारी की भावना को और अधिक विकसित करने में सहायता मिलेगी, मिस अंबिका राणा ने कहा कि हृष्ट प्रशिक्षण ने उनके आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता को और मजबूत किया है। प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों को वे विद्यालय के हृष्ट कैडेट्स के साथ साझा किया तथा उन्हें राष्ट्र सेवा और अनुशासन के लिए प्रेरित किया,विद्यालय परिवार ने मिस अंबिका राणा को उनके सफल प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीएमएलटी विद्यार्थियों ने किया क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान का एक्सपोजर विजिट

ग्वालियर, जीएनएस।
क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान ग्वालियर में आईटीएम यूनिवर्सिटी के बीएमएलटी (बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी) के द्वितीय एवं अंतिम वर्ष के 40 छात्र-छात्राओं ने दो शिक्षकों के साथ शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संस्थान के चिकित्सालय एवं अनुसंधान प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर ओपीडी, आईपीडी, पैथोलॉजी लैब, पंचकर्म, क्षारसूत्र, फार्माकोलॉजी, कैमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, फार्माकोग्नोसी तथा एनिमल लेबोरेटरी फैसिलिटी की कार्यप्रणाली को समझा। साथ ही, विद्यार्थियों को एचपीएलसी, जीसी-एमएस एवं एलसी-एमएस जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के

कार्य एवं उपयोग की जानकारी दी गई तथा प्रयोगशालाओं में विभिन्न प्रयोगों का डेमोंस्ट्रेशन भी कराया गया। विजिट के प्रारंभ में विद्यार्थियों को क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं एवं विभिन्न विभागों की जानकारी दी गई। चिकित्सालय में उपस्थित फैकल्टी एवं स्टाफ ने विद्यार्थियों को अस्पताल की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराया। वहीं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं में उपस्थित फैकल्टी एवं स्टाफ ने विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरणों तथा विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने संस्थान में उपलब्ध अत्याधुनिक एवं सोफिस्टिकेटेड उपकरणों, जैसे एचपीएलसी, जीसी-एमएस एवं एलसी-एमएस आदि के कार्य एवं उपयोग के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। सभी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न अनुभागों का उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ भ्रमण किया तथा विजिट के दौरान उनकी विषयगत समझ को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का अवसर मिला। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी के साथ आए शिक्षकगण ने विद्यार्थियों के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित कराने पर संस्थान प्रभारी डॉ. बृजेश सिंह सिसोदिया के प्रति आभार व्यक्त किया। विजिट को सफल बनाने में क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। विजिट का समन्वय डॉ. अमित कुमार, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) एवं डॉ. लिंगेश ए., अनुसंधान अधिकारी (फार्माकोलॉजी) ने किया।

सकल ब्राह्मण महासमिति का विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस।
सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में आज स्वर्ग सदन आश्रम पर विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर धर्म समाज सेवा सप्ताह के तीसरे दिन 51 बेसहारा वरिष्ठ जनों का आश्रम के डायरेक्टर विकास गोस्वामी को राष्ट्र सेवक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सर्व ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष राम नारायण जी मिश्रा मुख्य वक्ता सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज, समारोह की अध्यक्षता महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा ने की। इस अवसर पर सकल ब्राह्मण महा समिति के संगठन मंत्री पंडित ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री जी ने सभी वरिष्ठों को श्री राम नाम एवं ओम नमः शिवाय का जाप कराया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री डॉक्टर मुन्नालाल शर्मा जी कार्यालय मंत्री देवेंद्र कुमार पाठक जी ने किया। मुख्य अतिथि आसन्न से रामनारायण मिश्रा ने कहा कि समाज में आज अपने बुजुर्गों की पुछ परख कम हो गई है जिससे सामाजिक स्तर गिर रहा है युवा पीढ़ी को अपने बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। मुख्य वक्ता डॉ जयवीर भारद्वाज ने कहा कि 9 सितंबर को स्वर्ग सदन आश्रम में अपना जीवन व्यतीत करने वालें को धार्मिक स्थलों की यात्रा सकल ब्रह्माण महासमिति करावेगी जिसमें सर्वप्रथम 9 सितंबर को जोरासी का मंदिर एवं डबरा का नवग्रह मंदिर के दर्शन कराने का दायित्व एच बी शर्मा, बीना भारद्वाज को दायित्व सौंपा है। जिसमें नवग्रह शनि मंदिर में पंडित गिरिराज गुरुजी, ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री जी द्वारा श्री हनुमान चालीसा दुर्गा चालीसा का पाठ कराया जाएगा। अध्यक्षीय आसन्न से प्रकाश नारायण शर्मा ने कहा कि सकल ब्राह्मण महासमिति ने ब्राह्मण ही नहीं सभी समाजों के बुजुर्गों को आज सम्मानित कर यह बता दिया है कि ब्राह्मण हमेशा से परमार्थ कार्य करता रहा।

राज्य शासन की तरफ से एमएसएमई विभाग ने आमंत्रित की रुचि की अभिव्यक्ति

15 सितम्बर तक जमा होंगे प्रस्ताव और अगले दिन खोले जाएंगे प्रस्ताव

भोपाल, जीएनएस।
मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा अनुसार मुरैना जिले की बंद पड़ी कैलारस शुगर मिल को फिर से चालू करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस संबंध में एमएसएमई विभाग ने रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की है।एमएसएमई विभाग के आयुक्त श्री दिलीप कुमार ने यह जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि आन लाइन प्रस्ताव 15 सितम्बर तक आमंत्रित किए गए हैं और उन्हें अगले दिन 16 सितंबर को खोला जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 अगस्त 2025 को संपन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत कैलारस चीनी मिल की भूमि एमएसएमई विभाग को हस्तांतरित कर दी गई थी।मुख्यमंत्री डॉ यादव और राज्य सरकार का उद्देश्य इस मिल के पुनरुद्धार से क्षेत्र में रोजगार, औद्योगिक गतिविधि और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि अब सरकार मिल को जैसी है, जहां है के आधार पर लीज पर देने जा रही है।इच्छुक प्रस्ताव दाता 31 अगस्त और 01 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे से मिल की साइट विजिट कर सकते है।अभिव्यक्ति की प्री मीटिंग 3 सितंबर 2026 को दोपहर 3 बजे से विंध्याचल भवन भोपाल स्थित चौथी मंजिल मीटिंग हॉल में होगी।इच्छुक जन इस संबंध में लिखित प्रश्न आदि 7 सितंबर 2026 शाम 5 बजे तक पूछ सकेंगे।रुचि की अभिव्यक्ति जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर शाम 5 बजे रखी गई है।अगले दिन 16 सितंबर को प्रस्ताव शाम 5 बजे खोले जाएंगे।

इच्छुक कंपनियां जो शुगर और संबंधित उप-उत्पादों के निर्माण में सक्षम हैं, वे स्क्र Tenders ÂôÅUüÜhttp://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। विस्तृत जानकारीhttp://mpmsme.gov.in पर उपलब्ध है।

एमएसएमई आयुक्त श्री सिंह ने बताया कि कैलारस शुगर मिल कैलारस, जिला मुरैना में हा॥-552 पर, कैलारस रेलवे स्टेशन से 3 किमी से कम दूरी पर स्थित है।मिल की क्षमता 1,250 प्रतिदिन गन्ना पेराई क्षमता है।मिल की संपत्तियां में फैक्ट्री बिल्डिंग, प्लांट-मशीनरी, गोदाम, वर्कशॉप और 12.86 हेक्टेयर भूमि है। उन्होंने बताया कि लीज अवधि 30 वर्ष होगी और संतोषजनक कार्य के आधार पर यह अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

नसीरपुर औद्योगिक क्षेत्र का डीएम ने किया निरीक्षण, 24 को आएगी यूपीडा की टीम

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने गुरुवार को नसीरपुर में विकसित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निवेश बढ़ाने और उद्यमियों को अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त उद्योग ने बताया कि यूपीडा की ओर से करीब 354 एकड़ भूमि अधिगृहीत की गई है। प्लॉट आवंटन प्रक्रिया के तहत पोर्टल पर चार प्लॉट प्रदर्शित किए गए थे। इनमें 10 एकड़ का एक प्लॉट केएन इंजीनियरिंग तथा चार एकड़ का एक प्लॉट अतुल इंजीनियरिंग को आवंटित किया जा चुका है। वर्तमान में प्लॉट संख्या छह और सात आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। यूपीडा ने औद्योगिक क्षेत्र में भूमि की कीमत 4,400 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित की है।

आरोप से पहले फैसला क्यों? एक परिवार के उजड़ने ने खड़े किए कई सवाल

एक सामान्य, प्रतिष्ठित परिवार का उजड़ जाना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, यह हमारे समाज, कानून, पुलिस व्यवस्था और मीडिया की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

डबरा की हालिया घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। कुछ दिन पहले जिस घर के एक बेटे की अर्थी उठी, उसी घर से अब एक महिला की अर्थी उठना कितना भयावह और पीड़ादायक होगा, इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। पीछे रह गए परिवार की मानसिक स्थिति क्या होगी, यह सवाल हर संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक विचलित करता है।

किसी नाबालिग बच्ची के साथ छेड़खानी का आरोप अत्यंत गंभीर है। यदि आरोप सही है तो पीड़िता को न्याय मिलना ही चाहिए और दोषी को कानून के अनुसार कठोर दंड मिलना चाहिए। लेकिन यदि आरोप गलत है, तब उस व्यक्ति और उसके परिवार के साथ होने वाली सामाजिक क्षति की भरपाई कौन करेगा?

आरोप और अपराध में अंतर है।

अपराध का निर्धारण अदालत करती है, लेकिन समाज कई बार अदालत से पहले ही फैसला सुना देता है। पुलिस कार्रवाई शुरू होते ही आरोपी को अपराधी समझ लिया जाता है। मोहल्ला दूरी बनाने लगता है, रिश्तेदार सवाल करने लगते हैं और मीडिया की सुर्खियां व्यक्ति की पूरी जिंदगी पर ऐसा ठप्पा लगा देती हैं, जिसे बाद में निर्दोष साबित होने पर भी मिटाना आसान नहीं होता।

यहीं से सवाल उठता है—क्या किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी ही उसके दोषी होने का प्रमाण है?

बिल्कुल नहीं।

कानून का उद्देश्य पीड़ित को न्याय देना है, लेकिन कानून का दूसरा मूल सिद्धांत यह भी है कि किसी निर्दोष को केवल आरोप के आधार पर दंडित न किया जाए। विशेष कानूनों का उद्देश्य कमजोर और पीड़ित वर्ग को संरक्षण देना है और उनका दुरुपयोग रोकना भी उतना ही जरूरी है। किसी भी कानून को कमजोर करने की मांग नहीं, बल्कि उसके निष्पक्ष और जिम्मेदार इस्तेमाल की मांग होनी चाहिए।

विशेष रूप से छेड़खानी और स्ष्ट/स्ज्ञ ,ष्ह्ल जैसे संवेदनशील मामलों में पुलिस जांच बेहद निष्पक्ष, तथ्यपरक और पेशेवर होनी चाहिए। न तो वास्तविक पीड़ित की आवाज दबनी चाहिए और न ही किसी निर्दोष को केवल आरोप के आधार पर सामाजिक रूप से अपराधी बना दिया जाना चाहिए।

पुलिस की भूमिका पर भी सवाल

पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह पीड़ित की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कानून के अनुसार कार्रवाई करे, लेकिन जांच को किसी पूर्वाग्रह का शिकार न होने दे।

क्या गिरफ्तारी हर मामले में पहला और अनिवार्य कदम होना चाहिए?

क्या परिस्थितियों, उपलब्ध साक्ष्यों और मामले की प्रकृति का निष्पक्ष मूल्यांकन नहीं होना चाहिए?

क्या आरोपी और उसके परिवार के मौलिक अधिकारों की भी रक्षा नहीं होनी चाहिए?

इन सवालों पर गंभीर न्यायिक और नीतिगत विमर्श जरूरी है।

मीडिया ट्रायल—न्याय से पहले फैसला

इस पूरे विषय का सबसे चिंताजनक पहलू मीडिया ट्रायल है। किसी व्यक्ति पर आरोप लगा और अगले ही दिन उसे अपराधी की तरह प्रस्तुत कर दिया गया। सोशल मीडिया पर तस्वीरें, नाम और तरह-तरह की टिप्पणियां वायरल हो गईं। बाद में अदालत में मामला क्या साबित होगा, इसकी प्रतीक्षा करने की जरूरत ही किसी ने नहीं समझी।

मीडिया का काम अदालत बनना नहीं है।

पत्रकारिता का धर्म है—सवाल पूछना, तथ्य सामने रखना और जनता को सही जानकारी देना। लेकिन किसी आरोपी को न्यायालय के निर्णय से पहले अपराधी घोषित कर देना पत्रकारिता नहीं, बल्कि सामाजिक फैसला सुनाना है।

और यदि बाद में वही व्यक्ति निर्दोष साबित हो जाए तो उसके सम्मान, रोजगार, रिश्तों और परिवार को हुए नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

डबरा की घटना हमें क्या सिखाती है?

यह घटना किसी एक पक्ष को सही या गलत साबित करने का अवसर नहीं है। यह अवसर है कि हम पूरी व्यवस्था को आईना दिखाएं।

पीड़िता को न्याय मिले।

यदि आरोपी दोषी है तो उसे कठोर कानूनी दंड मिले।

यदि आरोपी निर्दोष है तो उसे सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले। पुलिस निष्पक्ष जांच करे।

न्यायालय तथ्यों के आधार पर फैसला करे।

और मीडिया फैसला सुनाने के बजाय तथ्य सामने रखे।

क्योंकि एक मुकदमा केवल दो पक्षों के बीच नहीं होता—उसका असर दो परिवारों की पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है।

डबरा में हुई इस दुखद घटना ने यह सवाल हमारे सामने छोड़ दिया है कि क्या हमारी व्यवस्था आरोप लगने के बाद किसी परिवार को टूटने से बचाने के लिए पर्याप्त संवेदनशील है?

क्या कानून बनाने वालों को यह नहीं सोचना चाहिए कि संवेदनशील कानूनों के साथ-साथ उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए भी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था हो?

क्या उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय इस बात पर व्यापक दिशा-निर्देश नहीं दे सकते कि संवेदनशील मामलों में निष्पक्ष जांच, आरोपी के अधिकार, पीड़ित की सुरक्षा और मीडिया रिपोर्टिंग की मर्यादा—इन चारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए?

29 अगस्त को स्पोर्ट्स कंपलेक्स हजीरा में लगेगा ऐतिहासिक चकरी मेला

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर की ऐतिहासिक एवं पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के उद्देश्य से चकरी मेले का आयोजन 29 अगस्त 2026, शनिवार को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जेसी मिल ग्राउंड, बिरला नगर में किया जाएगा। मेला अपराह्न 3 बजे से प्रारंभ होगा। चकरी मेला ग्वालियर की समृद्ध लोक परंपरा और साहसिक खेलों का अनूठा संगम है। स्टेट काल से चली आ रही इस परंपरा को नगर निगम द्वारा वर्षों से निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्षाबंधन के अगले दिन आयोजित होने वाला यह ऐतिहासिक मेला शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। मेले में शहर एवं अंचल के कलाकारों द्वारा सीनियर एवं जूनियर चकरी घुमाने, सुदर्शन चक्र घुमाने, गर्दन से हसली उठाने, सीने पर पत्थर तोड़ने सहित अनेक रोमांचक एवं साहसिक खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा। हजारों दर्शकों के सामने कलाकार अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन करेंगे। मेले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर प्रतिभागी कलाकारों एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। नगर निगम ग्वालियर ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस प्राचीन एवं ऐतिहासिक चकरी मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पारंपरिक लोककलाओं और कलाकारों का उत्साहवर्धन करें तथा ग्वालियर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ें।

खेरागढ़ में गूंजेगा दंगल का दमदार उद्घोश :नशा भगाओ – दांव लगाओ

खेरागढ़, आगरा। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' आह्वान को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को प्रातः 10 बजे मंडी ग्राउंड, खेरागढ़, आगरा में आयोजित होने वाले दंगल- 2026 में पहलवान अपने दम-खम और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन करेंगे। नगर पंचायत खेरागढ़ विधानसभा-92 के चेयरमैन सुधीर गर्ग %गुड्डू% ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में दंगल में सहभागिता कर खेलों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया और कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से दूर कर खेलों की ओर प्रेरित करने और उभरती खेल प्रतिभाओं को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत खेरागढ़ दंगल-2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। भाजपा चेयरमैन खैरागढ़ सुधीर गर्ग (गुड्डू) ने बताया कि स्वस्थ युवा, सशक्त राष्ट - नशा भगाओ, दांव लगाओ का महत्वपूर्ण संदेश लेकर आयोजित यह दंगल केवल कुश्ती का मुकाबला नहीं, बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और खेल संस्कृति से जोड़ने का प्रेरक अभियान भी बनेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्टीय खेल दिवस के अवसर पर होने वाला यह महादंगल युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट निर्माण की ऊर्जा जगाने का संदेश देगा। आयोजन का मूल संदेश - युवा नशे से नहीं, खेल से जुड़ें बुरी आदतों से नहीं, अपनी प्रतिभा से पहचान बनाएं।

करेरा के सिल्लारपुर गांव में राशन पर सवाल पूछना पड़ा भारी, सरपंच समेत 5 पर मारपीट और लूट का आरोप, पीड़ित ने SP से लगाई न्याय की गुहार

शिवपुरी/करैरा। जिले के करैरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिल्लारपुर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। गांव के एक युवक ने सरपंच और उसके परिजनों सहित पांच लोगों पर मारपीट, सोने की चेन लूटने और मोबाइल तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस मामले में पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। मामला 20 अगस्त की शाम का

बताया जा रहा है। ग्राम सिल्लारपुर निवासी पीड़ित नीरज केवट के अनुसार गांव में राशन वितरण हो रहा था। आरोप है कि वितरण में अनियमितता को लेकर जब उसने सवाल किया तो सरपंच पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए। पीड़ित नीरज केवट ने एसपी को दिए शिकायती आवेदन में बताया कि सरपंच अरविंद लोधी, उसके पिता प्रकाश लोधी और उनके साथ तीन अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की गई। पीड़ित ने आवेदन में सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसके गले में पड़ी करीब दो से ढाई लाख रुपये कीमत की सोने की चेन छीन ली। जब वह इस पूरी घटना का वीडियो अपने वनप्लस मोबाइल में बना रहा था, तो आरोपियों ने उसका मोबाइल भी छीनकर तोड़ दिया ताकि सबूत नष्ट हो जाए। मारपीट में नीरज को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। शोर सुनकर मौके पर उसकी मां, चाची और गांव के एक अन्य व्यक्ति ने पहुंचकर बीच-बचाव किया, तब जाकर उसकी जान बची। पीड़ित का आरोप है कि जाते-जाते आरोपियों ने उसे धमकी दी कि अगर दोबारा राशन वितरण को लेकर शिकायत की तो जान से खत्म कर देंगे।

पीबीएल के राज्य स्तरीय कार्यशाला में सम्मानित हुए मुजफ्फरपुर जिले के डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार

मुजफ्फरपुर, जीएनएस। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (क्क्क्र) के विद्यालय स्तर पर प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के तत्वावधान में 20 एवं 21 अगस्त को पटना में दो दिवसीय राज्य स्तरीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान विषय में क्क्क्र आधारित परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जिलों की उत्कृष्ट कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन को मजबूत करना था। कार्यशाला में बिहार के 38 जिलों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। मुजफ्फरपुर से जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार एवं कुमार अभिषेक शामिल हुए।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गार्गी कुमारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपनिदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं

प्रशिक्षण परिषद, पटना संजय कुमार, सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार चंदन द्विवेदी तथा राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना कौशल किशोर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए क्क्क्र के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपसी सीख-साझाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंत्रा फॉर चेंज की टीम द्वारा किया गया।

कार्यशाला के क्रम में प्रतिभागियों से बिहार के ऐसे दो जिलों की अनुशंसा करने को कहा गया, जहां क्क्क्र के क्रियान्वयन में अपनाई जा रही कार्य-पद्धतियां अन्य जिलों के लिए उपयोगी एवं अनुकरणीय रही हों। इस प्रक्रिया में मुजफ्फरपुर जिले को सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त हुई। इसके आधार पर जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार एवं कुमार अभिषेक को 'सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त सम्मान' श्रेणी में प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुजफ्फरपुर को मिली इस मान्यता के पीछे जिले में पूर्व से विकसित मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्रक्क), तकनीकी सहयोग, सतत अनुश्रवण एवं समयबद्ध कार्य-पद्धति प्रमुख रही है। जिले ने स्ह्रक्क के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से जुलाई माह में निर्धारित 31 जुलाई की समय-सीमा से पहले ही 20 से 25 जुलाई के बीच सभी 1,386 विद्यालयों में क्क्क्र आधारित माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट (स्ढ्ढक्क) का छ्वढ्ढक्रस्स्न एप पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर पूरे बिहार में छ्वढ्ढक्रस्स्न एप पर क्क्क्र आधारित स्ढ्ढक्क को सबसे पहले शत-प्रतिशत पूरा करने वाला पहला जिला बना। जिले के लिए विकसित स्ह्रक्क के निर्माण में मुजफ्फरपुर के पूर्व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर, आदि।

जनपद पंचायत शिवपुरी की साधारण सभा की बैठक हुई सम्पन्न

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचे : जनपद अध्यक्ष हेमलता रघुवीर रावत

शिवपुरी जीएनएस

जनपद पंचायत शिवपुरी के सभागृह में साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई जिसमें जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता रघुवीर रावत, सीईओ सोनम जैन मुख्य रूप से उपस्थित थी। जनपद पंचायत के सभागृह में हुई बैठक में जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण विकास कार्यों, पेयजल, निर्माण कार्यों, सड़क निर्माण, पंचायत भवनों, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कृषि, बिजली, पेयजल, सड़क निर्माण, पंचायत भवनों और अन्य स्थानीय विकास योजनाओं की प्रगति और विभागीय जनसमस्याओं पर भी गंभीरता से चर्चा की गई।

जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता रघुवीर रावत ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पंचायतों में जहां-जहां जो स्कूलों की स्थिति जर्जर है, शौचालय खराब है एवं बाउंड्री वॉल टूटी पड़ी है उन्हें जल्द ठीक किया जाए। पीएचई विभाग द्वारा हर घर नल जल योजना के अंतर्गत ठेकेदारों द्वारा जहां-जहां पानी की लाइन डालने के लिए सीसी रोडो को खोदा गया है उन्हें तुरंत ठीक

किया जाए, जनपद जनपद के अंतर्गत संचालित सरकार की योजनाओं को समय सीमा में हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए।

इतना ही नहीं उन्होंने एक-एक विभाग की बारीकी से समीक्षा की और विकास कार्यों में लापरवाही न बरतने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी देरी के वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुँचाने पर जोर दिया गया और अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी, कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में जनपद अध्यक्ष हेमलता रघुवीर रावत, सीईओ सोनम जैन, जनपद सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं जनपद स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा।

ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय करने और पात्र महिलाओं को जोड़ने के दिए निर्देश : ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय करने और पात्र महिलाओं को इनसे जोड़ने के लिए एवं जनपद पंचायत की अध्यक्ष हेमलता रघुवीर रावत व सीईओ सोनम जैन द्वारा समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आज हुई साधारण सभा की बैठक में भी ग्रामीण स्तर पर समूहों के कामकाज और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं लखपति दीदी बनाए जाने पर भी विशेष जोर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के द्वारा हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने मनाया उत्साह और उमंग का पर्व

शिवपुरी जीएनएस

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला समिति, शिवपुरी द्वारा हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास, उमंग एवं पारंपरिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने तीज पर्व की खुशियों को आपस में साझा करते हुए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला अध्यक्ष शिखा सिंघल, कोषाध्यक्ष अनीता जैन, महिला जिला सचिव मधु जैन, महिला संरक्षक आरती जैन सहित कार्यकारिणी सदस्य विनीता जैन, सोनिका मित्तल, श्रद्धा अनिल जैन, अंजु गोयल, वर्षा सिंघल, कल्पना गुप्ता, शोभा अग्रवाल, ममता विजयवर्गीय, अरुणा विजयवर्गीय, भारती गुप्ता, रेखा सिंघल, कीर्ति जैन, राखी अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, साक्षी गोयल, सपना अग्रवाल, पल्लवी गुप्ता, रिचा गुप्ता, बबीता अग्रवाल, स्मिता गुप्ता एवं निधि गोयल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला समिति की ओर से कार्यक्रम में शामिल सभी

मातृशक्ति एवं बहनों का आभार व्यक्त किया गया। समिति ने कहा कि हरियाली तीज केवल उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और रिश्तों में प्रेम-स्नेह की खुशहाली का पर्व है।

यह हुई प्रतियोगिता : महोत्सव के दौरान हौजी खेल, बग्गी की सवारी, तीज क्वीन प्रतियोगिता, तीज से जुड़े मनोरंजक खेल, सोलह श्रृंगार खेल एवं रील निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। महिलाओं ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान महिलाओं ने जमकर हंसी-मजाक और मस्ती की तथा तीज की पारंपरिक खुशियों का आनंद लिया।

भारतीय संस्कृति और परम्पराओं को जीवित रखना रहा कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य : कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ महिलाओं के बीच आपसी प्रेम, स्नेह एवं सौहार्द को मजबूत करना रहा। आयोजन में हरियाली तीज की पारंपरिक छटा के साथ महिलाओं के उत्साह और उमंग ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

क्रूज कंट्रोल तकनीक वाली हीरो की एक्सट्रीम 125आर पहली बाइक

नई दिल्ली, जीएनएस।

हाल ही में हीरो मोटोकॉर्प ने ग्लैमर एक्स लॉन्च कर भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में हलचल मचा दी थी। एक्सट्रीम 125 देश की पहली 125सीसी बाइक है जिसमें क्रूज कंट्रोल जैसी प्रीमियम तकनीक दी गई। अब कंपनी अपने एक और लोकप्रिय मॉडल एक्सट्रीम 125आर को भी इसी फीचर के साथ बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, नई एक्सट्रीम 125आर में न सिर्फ क्रूज कंट्रोल मिलेगा बल्कि इसमें राइड-बाय-वायर थ्रॉटल और तीन राइडिंग मोड्स ईको, रोड और पावर भी शामिल होंगे। इसके अलावा बाइक में एक नया कलर एलसीडी डिस्प्ले दिया जाएगा जो राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। क्रूज कंट्रोल के लिए बाइक में एक डेडिकेटेड स्विच होगा, जिसे दबाते ही तय स्पीड पर बाइक बिना एक्सिलरेटर दबाए चलती रहेगी। इसके साथ ही राइड मोड स्विच और आसान मेन्यू बटन भी मिलेंगे, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे एडवांस बाइक बना देंगे। माना जा रहा है कि ये सभी फीचर्स एक्सट्रीम 125क्र के नए वैरिएंट का हिस्सा होंगे। इंजन में कोई बदलाव नहीं होगा।

इसमें वही 124.7सीसी सिंगल-सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन मिलेगा, जो 8,250 आरपीएम पर 11.4 बीएचपी की पावर और 6,000 आरपीएम पर 10.5 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। कंपनी ने हाल ही में एक्सट्रीम 125आर का नया सिंगल-सीट वैरिएंट लॉन्च किया है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 1 लाख रुपये रखी गई है। यह मॉडल स्प्लिट-सीट आईबीएस वैरिएंट (98,425 रुपये) और टॉप-स्पेक एबीएस वैरिएंट (1.02 लाख रुपये) के बीच आता है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले 'एक्स फैक्टर' वैरिएंट की कीमत इससे थोड़ी अधिक होगी।

कढ़ी पत्ते का पानी अतिरिक्त चर्बी को करता है कम

नई दिल्ली, जीएनएस।

अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट कढ़ी पत्ते का पानी पीते हैं, तो यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव कर सकता है और शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखता है। सबसे पहले बात करें वजन घटाने की तो यह पेय मोटापे से जूझ रहे लोगों के लिए वरदान है।

कढ़ी पत्ते का पानी शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को तेज बनाता है। यह कैलोरी बर्न की प्रक्रिया को तेज करता है और पाचन तंत्र को भी दुरुस्त करता है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यही कारण है कि इसे वजन घटाने का आसान घरेलू उपाय माना जाता है। पाचन संबंधी परेशानियों में भी कढ़ी पत्ते का पानी बहुत उपयोगी है। कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी समस्याएं आजकल आम हो गई हैं। कढ़ी पत्ते में मौजूद कार्मिनेटिव गुण पाचन को संतुलित रखते हैं और पेट की जलन को कम करते हैं। सुबह खाली पेट इसका पानी पीने से पेट के अल्सर और आंतों की सूजन से भी राहत मिलती है। डायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए भी यह बेहद फायदेमंद है। कढ़ी पत्ते में मौजूद फाइबर कार्बोहाइड्रेट्स को धीरे-धीरे अवशोषित करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल अचानक नहीं बढ़ता।

इसके अलावा यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाता है और टाइप-2 डायबिटीज को मैनेज करने में सहायक होता है। कढ़ी पत्ते का पानी त्वचा और बालों के लिए भी वरदान है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण शरीर को भीतर से साफ रखते हैं।

इसका असर चेहरे की चमक और बालों की मजबूती में साफ नजर आता है। नियमित सेवन से मुंहासे और दाग-धब्बे कम होते हैं और बालों का झड़ना व समय से पहले सफेद होना भी रोका जा सकता है। दिल की सेहत के लिए भी यह लाभकारी है। कढ़ी पत्ते का पानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है और दिल की बीमारियों का खतरा घटाता है।

इसमें मौजूद आयरन और फोलिक एसिड हीमोग्लोबिन स्तर को बनाए रखने और खून की कमी को दूर करने में कारगर हैं। हालांकि, कढ़ी पत्ते का पानी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन अगर आप गर्भवती हैं या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, तो इसे शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। मालूम हो कि कढ़ी पत्ता सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि यह सेहत के लिए भी किसी औषधि से कम नहीं है। इसमें मौजूद पोषक तत्व और औषधीय गुण शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

मस्ती का तूफान कार्यक्रम में पूल पार्टी, रेन डांस, गेम्स और हाउजी ने बांधा समां

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की फैमिली पिकनिक में उमड़ा उत्साह

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर द्वारा यशवीर रिजॉर्ट एवं फार्म में ÷मस्ती का तूफान÷ फैमिली पिकनिक का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में लायन साथियों एवं उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर दिनभर मनोरंजन, संगीत, खेल और फेलोशिप का आनंद लिया।

ज़ोन चेयरमैन की आधिकारिक यात्रा भी हुई संपन्न

कार्यक्रम के दौरान ज़ोन चेयरमैन लायन रामकरण पारीक की आधिकारिक यात्रा भी संपन्न हुई। इस अवसर पर पीएमजेएफ लायन राकेश अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन नरेंद्र अग्रवाल ने की।

कार्यक्रम के कन्वीनर लायन शशिदत्त गगरानी एवं संयोजक लायन उमेश अग्रवाल रहे। समापन अवसर पर लायन पुनीत अग्रवाल ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं परिवारजनों का आभार व्यक्त किया।

पूल पार्टी और रेन डांस ने बढ़ाया रोमांच : फैमिली पिकनिक की शुरुआत पूल पार्टी से हुई। संगीत की धुनों पर सभी सदस्यों ने रेन डांस कर जमकर मस्ती की। गीत-संगीत और मनोरंजन के बीच पूरा माहौल उत्साह और उल्लास से भर गया।

इस दौरान चटपटी चाट, भुट्टे, मैगी, हेमू जी के स्वादिष्ट चीले, बर्फ की चुस्की और गोलों का आनंद लिया गया। इसके बाद सभी ने स्वादिष्ट दाल-बाटी का भी लुत्फ उठाया।

मनोरंजक खेलों में सदस्यों ने दिखाया उत्साह :

पिकनिक में विभिन्न मनोरंजक गेम्स आयोजित किए गए। बैलून गेम में लायन हर्षा जैसवानी विजेता रहीं। इसके बाद ÷सावन का महीना&हरियाली तीज÷ थीम पर ग्रुप म्यूज़िकल गेम आयोजित किया गया, जिसमें चार कॉर्नर पर आधारित खेल ने सभी का मनोरंजन किया। इसके विजेता लायन रेखा मित्तल, लायन लेखराज रावल एवं लायन नीरज सिंधी रहे।

कपल गेम में पार्टनर को उल्टी शर्ट पहनाने की चुनौती ने खूब हंसी-खुशी का माहौल बनाया। इसमें लायन अनुराग शर्मा एवं लायन प्रिया शर्मा, लायन राजेश माहेश्वरी एवं श्रीमती राजेश माहेश्वरी तथा लायन अनुपम तिवारी एवं लायन शालिनी तिवारी विजेता रहे।

महिलाओं के लिए विशेष मनोरंजक गेम्स का संचालन लायन सविता अग्रवाल, लायन पल्लवी अग्रवाल एवं लायन नंदिनी भदौरिया द्वारा किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वरिष्ठ सदस्यों की रही गरिमामयी उपस्थिति : कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन जीडी लढ्ढा, लायन सत्येंद्र गुप्ता, लायन पीसी माथुर, लायन केशव वैश्य, लायन संदीप जैन एवं लायन अंकित माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

एमपीसीसीआई सदस्यों का किया स्वागत : कार्यक्रम के दौरान एमपीसीसीआई के सदस्यों एवं पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर चेंबर के सचिव दीपक अग्रवाल, लायन विश्वास जैसवानी, लायन दीपक अग्रवाल, समीर अग्रवाल, लायन अंकित माहेश्वरी एवं लायन सुनील कोठीवाले का विशेष रूप से सम्मान किया गया।

हाउजी ने बनाया समापन को यादगार : दिनभर चले मनोरंजन और खेलों के बाद हाउजी का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों एवं परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकर्षक पुरस्कारों और रोमांच से भरपूर हाउजी ने कार्यक्रम के आनंद को और बढ़ा दिया। स्वादिष्ट दाल-बाटी, हाउजी और फेलोशिप के साथ ÷मस्ती का तूफान÷ फैमिली पिकनिक का समापन हुआ। पूरे आयोजन में संगीत, रेन डांस, पूल पार्टी, स्वादिष्ट व्यंजन और मनोरंजक गतिविधियों का शानदार संगम देखने को मिला। लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की यह फैमिली पिकनिक सभी लायन साथियों और उनके परिवारों के लिए उमंग, सौहार्द और यादगार पलों से भरपूर शानदार आयोजन साबित हुई।

संत रविदास ने समानता और भाईचारे का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी

ग्वालियर जीएनएस

सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने समानता, समरसता और भाईचारे का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। उनकी शिक्षाएं आज भी सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर समरस एवं सद्भावपूर्ण समाज के निर्माण की प्रेरणा देती हैं। संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को ग्वालियर में निकाली गई सामाजिक समरसता एवं कलश वंदन यात्रा में मंत्री कुशवाह शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों से संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

हनुमान चौराहे से छप्परवाला पुल तक निकली यात्रा : सामाजिक समरसता एवं कलश वंदन यात्रा हनुमान चौराहे से प्रारंभ हुई। यात्रा 52 पायगा, सूबे की गोठ, पारदी मोहल्ला, रामबाग कॉलोनी, गेंडेवाली सड़क एवं शिंदे की छावनी होते हुए छप्परवाला पुल पहुंची। यात्रा में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मरीजों और परिजनों को बेहतर सुविधाएं देने जिला प्रशासन की पहल

रैन बसेरों और सरकारी अस्पतालों में रात में औचक निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा रैन बसेरों में उचित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने रात्रिकालीन व्यवस्थाओं की निगरानी शुरू की है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर शनिवार रात जिले के विभिन्न क्षेत्रों में एसडीएम, तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारियों ने सरकारी अस्पतालों और रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा : निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पतालों एवं रैन बसेरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा। मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली गई।

अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को साफ-सफाई, व्यवस्थाओं और जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह ने बस स्टैंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। एसडीएम लश्कर नरेंद्र बाबू यादव ने हजार बिस्तर अस्पताल और रैन बसेरे की व्यवस्थाएं देखीं। इसी प्रकार एसडीएम मुरार नरेशचंद गुप्ता ने जिला चिकित्सालय मुरार एवं उससे जुड़े रैन बसेरे का निरीक्षण किया। डबरा क्षेत्र में भी राजस्व अधिकारियों ने रैन बसेरों का रात्रिकालीन निरीक्षण किया।

जरूरतमंदों को नहीं हो असुविधा : कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकारी अस्पतालों और रैन बसेरों में आने वाले जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्हें शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आश्रय की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिला प्रशासन द्वारा अस्पतालों एवं रैन बसेरों की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी के साथ औचक निरीक्षण की कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी, ताकि जरूरतमंदों को रात के समय भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अमृत पार्क में पौधरोपण कर लिया पौधों के संरक्षण का संकल्प

नारायण कृष्ण शेजवलकर की पुण्यतिथि पर शहरवासियों ने दी पुष्पांजलि

ग्वालियर जीएनएस

पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर की पुण्यतिथि पर रविवार को शहरवासियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर निगम मुख्यालय स्थित उनकी प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। इसके बाद लाल टिपारा मुरार स्थित अमृत पार्क में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया और लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया।

प्रतिमा पर अर्पित किए श्रद्धासुमन : प्रशासनिक भवन सिटी सेंटर स्थित नगर निगम मुख्यालय में स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में शहरवासी और जनप्रतिनिधि यहां पहुंचे तथा काकाजी के नाम से लोकप्रिय स्व. शेजवलकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसके पश्चात लाल टिपारा मुरार स्थित अमृत पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधरोपण के माध्यम से उनकी स्मृति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया।

जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने किया पौधरोपण : पुष्पांजलि एवं पौधरोपण कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, वरिष्ठ समाजसेवी यशवंत इंदापुरकर, नगर निगम परिषद अध्यक्ष मनोज तोमर, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोस, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, नगर निगम लेखा समिति अध्यक्ष अनिल सांखला, वरिष्ठ नेता कमल माखीजानी, पूर्व विधायक रामबरन सिंह, पूर्व सभापति राकेश माहौर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी मौजूद रहे। इस अवसर पर सतीश बोहरे, दिनेश सिकरवार, धर्मेंद्र कुशवाहा, रामेश्वर भदौरिया, विनोद शर्मा, कृष्ण राव दीक्षित, केशव पांडे, कंवर मंगलानी, धर्मेंद्र तोमर, राजू सेंगर, गिरिराज कंसाना, प्रवीण भारद्वाज, सुरेश सोलंकी, श्रीमती रेखा त्रिपाठी, श्रीमती करुणा सक्सेना, श्रीमती विनती शर्मा, श्रीमती नीलिमा शिंदे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने स्व. शेजवलकर के सार्वजनिक जीवन और शहर के विकास में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्मृति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा : पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम के जरिए स्व. शेजवलकर की स्मृति को स्थायी बनाने का प्रयास किया गया। अमृत पार्क में लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेकर शहरवासियों ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दिया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।